



घूँघट की बगावत

प्रत्येक रविवार को प्रकाशित हिन्दी (साप्ताहिक समाचार पत्र)

वर्ष : 23

अंक : 11

गोरखपुर

10 सितम्बर 2023

पृष्ठ : 08

मूल्य: 2/-

एलओसी पर तैनात बीएसएफ जवान लापता, खोजने के लिए चलाया गया सर्च अभियान



जम्मू और कश्मीर। पुंछ जिले की भारत-पाकिस्तान सीमा पर तैनात एक बीएसएफ का जवान लापता हो गया है। जवान की ड्यूटी सीमा के पास एक चौकी पर लगी थी। अपनी ड्यूटी के दौरान ही जवान लापता हो गया। अधिकारियों ने शनिवार (9 सितंबर) को बताया कि जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा के पास सीमा सुरक्षा बल का एक जवान अपनी चौकी से लापता हो गया है। उन्होंने बताया कि बिहार का रहने वाला कांस्टेबल अमित पासवान शुक्रवार को लापता होने के समय बालाकोट सेक्टर में भरणी फॉरवर्ड पोस्ट पर सामान्य ड्यूटी पर था। बीएसएफ जवानों ने लापता जवान की तलाश में तलाशी अभियान चलाया, हालांकि

उसका पता नहीं चल सका। संबंधित थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई। अधिकारियों ने कहा जवान को ढूँढने के लिए हम बड़े स्तर पर काम कर रहे हैं।

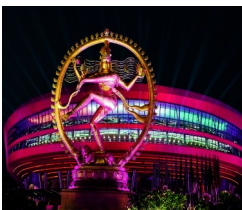
पुलिस को संदेह है कि वह घर वापस चला गया होगा क्योंकि लापता जवान पहले भी ऐसा कर चुका है। इससे पहले इसी साल अगस्त में भारतीय सेना का एक जवान 25 वर्षीय जावेद अहमद वानी लापता हो गया था।

कश्मीर जोन पुलिस ने बाद में उसे बरामद कर लिया और कहा सेना के जवान को कुलगाम पुलिस ने बरामद कर लिया है। मेडिकल जांच के बाद जल्द ही संयुक्त पूछताछ शुरू होगी।



दुनिया ने देखी नटराज की प्रतिमा, योग मुद्राएं और कोणार्क चक्र भी... दिखी भारत की ताकत

नई दिल्ली। जी20 शिखर सम्मेलन का आयोजन नई दिल्ली के प्रगति मैदान में हो रहा है। जी20 शिखर सम्मेलन का पहला दिन नौ सितंबर को शुरू हो चुका है, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपना संबोधन भी दे चुके हैं। सभी देशों के राष्ट्राध्यक्षों के बीच सम्मेलन में कई मुद्दों पर चर्चा और विचार विमर्श भी हो रहा है।



दिल्ली के प्रगति मैदान के नवनिर्मित भारत मंडप में हो रहे इस सम्मेलन में राष्ट्रपति जो बाइडेन, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक, कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रोन समेत कई बड़े देशों के लीडर्स ने हिस्सा लिया है। इस सम्मेलन से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत मंडप में आ रहे सभी वैश्विक नेताओं का गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। जी20 सम्मेलन के पहले दिन ही दुनिया भर के वैश्विक नेता दिल्ली में इकट्ठा हुए हैं। इसी बीच पूरी दुनिया ने जी20 सम्मेलन के जरिए भारत की झलक भी देखी है। यहां भारतीय कला, संस्कृति, योग, कोणार्क चक्र, नटराज आदि की झलक भी दुनिया को देखने को मिली है।

कोणार्क चक्र से सजा भारत मंडप

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जी20 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने आ रहे विश्व के नेताओं के साथ तस्वीरें खिंचवाईं। इस दौरान नेताओं के साथ अगर किसी ने ध्यान खिंचा तो वो था ओडिशा के सूर्य मंदिर का कोणार्क चक्र। पीएम मोदी ने कोणार्क चक्र के प्रतिबिंब के आगे ही सारी फोटो खिंचवाई है। इसे जी20 में प्रदर्शित करने के कई मायने बताए गए हैं। इतिहासकारों के अनुसार कोणार्क चक्र का निर्माण 13वीं शताब्दी में हुआ था। इसका निर्माण राजा नरसिंह देव-प्रथम के शासनकाल में किया गया था। कोणार्क का सूर्य मंदिर बेहद खास है। इसमें बने चक्र या पहिये में 24 तीलियां शामिल हैं। ये पहिया बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि भारत के राष्ट्रीय ध्वज में भी इसे ही शामिल किया गया है। ये चक्र या पहिया भारत के प्राचीन ज्ञान, उन्नत सभ्यता और वास्तुशिल्प उत्कृष्टता का प्रतीक माना जाता है।

माना जाता है कि कोणार्क चक्र की घूमती गति समय,

कालचक्र के साथ-साथ प्रगति और निरंतर परिवर्तन का प्रतीक है। यह लोकतंत्र के पहिये के एक शक्तिशाली प्रतीक के रूप में कार्य करता है जो लोकतांत्रिक आदर्शों के लचीलेपन और समाज में प्रगति के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

नटराज की प्रतिमा

जी20 के आयोजन के वेन्चू यानी भारत मंडप के कन्वेंशन हॉल के एंट्रेंस पर ही बेहद शानदार नटराज की प्रतिमा लगाई गई है जो कि सबसे बड़ी नटराज की मूर्ति बताई गई है। ये प्रतिमा 28 फुट ऊंची है। बता दें कि नटराज भगवान शिव की प्रतिमा है जो 'नृत्य के देवता' के तौर पर है। नटराज की ये प्रतिमा भगवान शिव के सृजन और विनाश की शक्ति को प्रदर्शित करती है। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) के मुताबिक नटराज की ये मूर्ति अष्टधातु यानी आठ धातुओं से निर्मित नटराज की सबसे ऊंची मूर्ति है। जानकारी के मुताबिक इस विशाल मूर्ति के निर्माण में आठ धातुओं का उपयोग हुआ है जिसमें तांबा, जस्ता, सीसा, टिन, चांदी, सोना, पारा और लोहा शामिल है। इस मूर्ति में 82 प्रतिशत तांबा, 15 प्रतिशत कांस्य और 3 प्रतिशत सीसा होता है। बाकी धातुएं थोड़ी ही मात्रा में होती हैं। इस मूर्ति को तमिलनाडु के स्वामी मलाई के मूर्तिकार राधाकृष्णन स्टापति और उनकी टीम ने बनाया है। बता दें कि भारत मंडप में इस मूर्ति को लगाए जाने का खास कारण भी है। बता दें कि नटराज का ये स्वरूप भगवान शिव के आनंद तांडव को दर्शाता है।

भगवान शिव की इस प्रतिमा को ध्यान से देखने पर उनकी नृत्य मुद्रा दिखती है। इसमें वो एक पैर से दानव को दबाकर रखते हैं। शिव का ये स्वरूप सकारात्मक ऊर्जा का संचार करने का संदेश देता है।

योग कला भी की गई प्रदर्शित

इस भारत मंडप में योग मुद्रा की प्रतिमा भी लगाई है। गौरतलब है कि योग भारतीय सभ्यता की विश्व को महत्वपूर्ण देन है। योग के जरिए ही पूरी दुनिया को एकजुट किया गया है। इसके अलावा सम्मेलन स्थल पर कश्मीर से कन्याकुमारी तक की कई कलाओं और प्रतीक भी यहां देखने को मिलेंगे।

मोदी के पीछे ये क्या? जिसे बाइडेन को खड़े होकर समझाया

नई दिल्ली। भारत प्रतिष्ठित जी-20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है, जिसमें दुनिया भर की 20 प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के शीर्ष नेता, राजनयिक और व्यापारिक दिग्गज एक साथ मौजूद हैं। यह भव्य आयोजन 9 और 10 सितंबर 2023 को दिल्ली के मध्य में प्रतिष्ठित प्रगति मैदान परिसर के भीतर स्थित भारत मंडप में हो रहा है। जैसे ही दिसंबर 2022 में देश ने जी20 की अध्यक्षता संभाली, इस महत्वपूर्ण अवसर की तैयारी कई महीनों से जोरों पर थी। जब किसी देश को इस परिमाण की वैश्विक सभा की मेजबानी करने का विशेषाधिकार सौंपा जाता है, तो यह अपनी क्षमताओं को प्रदर्शित करने, अपनी सांस्कृतिक विरासत को साझा करने और दुनिया को अपनी लोक कल्याण पहलों के बारे में ज्ञान प्रदान करने का एक सुनहरा अवसर बन जाता है।

शिखर सम्मेलन प्रगति मैदान में भारत मंडप स्थल पर आयोजित किया जा रहा है, जिसे इस तरह से सजाया गया है कि आगंतुकों को भारतीय संस्कृति, परंपरा, समाज, इतिहास, कला और लोककथाओं के बारे में पर्याप्त प्रतीकात्मक जानकारी मिल सके। भारत मंडप में भारत की संस्कृति, विज्ञान के बढ़ते हुए कदम को तकनीक के क्षेत्र में भारत कितना आगे बढ़ रहा है इन सभी चीजों को प्रदर्शित किया गया है।

आगंतुकों का ध्यान आकर्षित करने वाले सबसे आकर्षक आकर्षणों में से एक है आयोजन स्थल पर प्रमुखता से प्रदर्शित शानदार कोणार्क सूर्य मंदिर के पहिये और जटिल मूर्तियों की विस्मयकारी प्रतिकृतियों द्वारा किया गया। इस भव्य प्रदर्शन ने जी20 शिखर सम्मेलन की शुरुआत को चिह्नित करते हुए, आने वाले नेताओं के लिए प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के गर्मजोशी से स्वागत की पृष्ठभूमि के रूप में कार्य किया।

कोणार्क व्हील में गहन प्रतीकवाद है, जो समय, प्रगति और अस्तित्व के सतत प्रवाह की धारणाओं को समाहित करता है। सूर्य के हिंदू देवता सूर्य को समर्पित, ओडिशा



भारत मंडप में भारत की संस्कृति, विज्ञान के बढ़ते हुए कदम को तकनीक के क्षेत्र में भारत कितना आगे बढ़ रहा है इन सभी चीजों को प्रदर्शित किया गया है।

के कोणार्क में शानदार सूर्य मंदिर से व्युत्पन्न, यह वास्तुशिल्प चमत्कार यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल होने का प्रतिष्ठित दर्जा रखता है, जो अपनी जटिल नक्काशी और मूर्तियों के लिए प्रसिद्ध है। 12 तीलियों से युक्त, पहिया एक वर्ष में 12 महीनों का प्रतीक है, जबकि केंद्रीय 8 पहियों 8 प्रहर, या दिन के अस्थायी विभाजन का प्रतिनिधित्व करती हैं। पहिए की घूर्णन गति समय के निरंतर बीतने और परिवर्तन के अंतहीन चक्र को दर्शाती है। कोणार्क पहिया बहुआयामी महत्व रखता है, जो व्याख्याओं की एक समृद्ध टेपेस्ट्री पेश करता है। यह आने वाले दिनों के लिए आशा और आशावाद की किरण जगाते हुए भारत की समृद्ध विरासत और संस्कृति की मार्मिक याद दिलाता है।

कोणार्क का सूर्य मंदिर

कोणार्क में सूर्य मंदिर एक प्रतिष्ठित यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल के रूप में खड़ा है, जो भारत की वास्तुकला और सांस्कृतिक विरासत में सर्वोपरि स्थान रखता है। 13वीं शताब्दी में पूर्वी गंगा राजवंश के राजा नरसिंहादेव प्रथम के संरक्षण में निर्मित, यह शानदार मंदिर सूर्य के हिंदू देवता सूर्य को एक समर्पित श्रद्धांजलि है।

समाज सेवा का फायदा

एक बार मिली जिंदगी में समाज सेवा नहीं की तो कुछ नहीं किया। समाज सेवा जीवन में नए रस और रंग भर देती है। ऐसे शायद कभी न की हो, समूह में आप दूसरों की मदद करने को तैयार हो जाते हो। इस सेवा के अनेक निजी फायदे भी हैं। जिन मनपसंद खास लोगों से मिलना संभव नहीं हो पता, इस सेवा के बहाने आप उनसे मिल सकते हैं, उनके साथ सेल्फी ले सकते हैं, उनके साथ आपका उठाना बैठना होता है। स्वाभाविक है यह अच्छा ही लगता है। उनकी खूबसूरत सोहबत में सार्वजनिक आयोजनों में हिस्सा लेने का मौका मिलता है। पार्टी होती है। नए आकर्षक वस्त्र खरीदने की प्रेरणा मिलती है। जिंदगी के सबसे यादगार बढिया समूह चित्र समाज सेवा के आंगन में खिंचते हैं। प्रसिद्ध क्लब की स्थानीय शाखा की नई अध्यक्ष ने पहली बैठक में, सामाजिक प्रभाव बढ़ाने हेतु बहुत जरूरी उन्मत्तिशील बातें की। उन्होंने कहा, हम पिछली टीम से ज़्यादा काम करके दिखाएंगे। गरीबों और जरूरतमंदों को उनसे ज़्यादा फूल, दूध, फल, खाना व कपड़े उपलब्ध कराएंगे। अब सब नया है, हमारी टीम नई है, नए सदस्य जुड़े हैं, नया उत्साह है इसलिए हमने नई टीम भावना के साथ काम करना है। बहुत दिनों से हम सब नए वस्त्र नहीं खरीद पाए होंगे, अब जरूर खरीद लें और ध्यान रखें क्लब की किसी भी बैठक में कोई सदस्य पुराने वस्त्र पहनकर न आए।

पुराने जो भी वस्त्र जरूरत मंदों को दिए जा सकते हैं इकट्ठे कर लिए जाएं, उन्हें हम शहर में नेकी की दीवार बनाकर उस पर टांग देंगे। नए वस्त्र और हेयर स्टाइल ऐसे होने चाहिए जो हमारी पर्सनेलिटी को फोटोजेनिक बनाने में मदद करें। हमारी सभी फोटोज बहुत सुन्दर हनी चाहिए। हमारे क्लब के सभी आयोजनों में सभी चुस्त दिखें इसके लिए सभी अपना स्वास्थ्य ठीक रखें। रोजाना सैर और व्यायाम करें। हमारे क्लब की मीटिंग्स और पार्टीज ज्यादा हुआ करेंगी इसलिए आप अपने बच्चों को ट्रेंड कर दें ताकि वे घर के बुजुर्गों के साथ या बाईं को पास आराम से रह सकें क्योंकि कार्यक्रम में बच्चे आ जाएं तो सब परेशान होते हैं। विज्ञापन ही आज का प्रबंधन सूत्र है इसलिए काम



हो न हो दूसरे लोगों के सामने काम की चर्चा जरूर करें। हमारे छोटे से छोटे काम का प्रभाव ज़बर्दस्त होना चाहिए। मान लीजिए, हम किसी गरीब को आजीविका कमाने के लिए पुराने अखबार दें तो उसे भी क्लब का एक इवेंट बना दिया जाए। लुभावनी बैंक ग्राउंड के सामने गुप में खड़े होकर, अखबार, पिपट पेपर में पैक कर देने चाहिए। अखबारों और सोशल मीडिया पर फोटो जरूर आनी चाहिए। जान पहचान के ज़्यादा से ज़्यादा लोगों से आग्रह करें कि खूब लाइक और शेयर करें। सबसे जरूरी है कि सभी सदस्य, प्रेस वालों से बेहतर रिश्ते बनाएं। अगर ऐसा करेंगे तो हमारी फोटो के नीचे छपेगा, शहर के प्रसिद्ध क्लब के सदस्यों ने अपनी बैठक में समाज कल्याण से जुड़े अनेक मुद्दों पर चर्चा की। इस वक्तव्य के बाद नए अध्यक्ष के ओजस्वी, प्रगतिशील विचारों को खूब तालियां मिली। अब सभी को भूख लग रही थी तभी महत्वपूर्ण सूचना दी गई कि खाना लग चुका है। अलग अलग किस्म का स्वादिष्ट खाना किसे अच्छा नहीं लगता। बैठक संपन्न हो चुकी थी।

संतोष उस्तुक



दुनिया के सात अजूबों में शामिल मिस्र का ग्रेट गीजा पिरामिड इस लिस्ट में सबसे पहले लिया जाता है। इसका प्राचीन इतिहास, सभ्यता, कलाकृति और इसकी बनावट आज भी सभी लोगो को और वैज्ञानिको को हैरान कर देती है।

पिरामिड के बारे में जितने रहस्य सुलझाये जाते है उतने ही रहस्य उलझते जाते है, तो दोस्तों आज हम इनमे से कुछ खास तत्थो के बारे में जानेंगे।

ऐसा माना जाता है की, प्राचीन मिस्र के राजाओ के शव को दफनाने के लिए प्राचीन मिस्र में पिरामिडों का निर्माण किया गया था। मिस्र के लोगो का मानना था की मरने के बाद व्यक्ति दूसरी दुनिया में चला जाता है। इसलिए उन शवों के साथ कपड़े, गहने, खाने–पीने सामान, हथियार भी उनके साथ पिरामिड में दफनाए जाते थे। और तो और उनके नोकरो को भी उनके साथ जिंदा दफनाया जाता था। मिस्र के सभी पिराफिडों पर आज भी शोधकार्य जारी है। हर बार हमें यहां नये नये रहस्यों का पता चलता है। गीजा के महान पिरामिड को कई प्राचीन ऊर्जा मशीनों के सर्वोत्तम उदाहरणों में से एक माना जाता है। यह एक टेस्ला जैसे बिजली संयंत्र था जो हजारों साल पहले प्राचीन अंतरिक्ष यात्री सिद्ध तंत्रकारों को बनाए रखता था। उनका सुझाव है कि यह एक विशाल प्राचीन संरचना थी जो कि बड़ी मात्रा में ऊर्जा बनाने या उत्पन्न करने के लिए पृथ्वी की प्राकृतिक गुणों का उपयोग करने में सक्षम थी।

पिरामिड 4 से 5 हजार वर्ष पूर्व बनाये गए थे, पिरामिडों में गिज़ा का पिरामिड सबसे ऊँचा है,

नहीं रहीं वैज्ञानिकएन वलारमती



बेगलुरु। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान स गठन के चंद्रयान 3 अभियान सहित इसके अनेक अभियानों में उल्टी गिनती करें अपनी आवाज देने वाली वैज्ञानिक एन वलारमती का

दिल का दौरा पडने से निधन हो गया। कोंकरोच की जानकारी देते हुए एक अधिकारी ने कहा कि वलारमति ने चेन्नई के एक अस्पताल में अंतिम सांस ली। जानकार सूत्र बताते हैं कि चंद्रयान 3 उनका आखिरी उल्टी गिनती कार्यक्रम था। उनके निधन पर केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर , इसरो के पूर्व निदेशक डॉक्टर पीवी वेंकटकृष्णन सहित अनुसंधान केंद्र से जुड़े अनेक वैज्ञानिकों ने उनके निधन पर अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं।

भारतीय सिनेमा संसार उन सारे हसीन अभिनेता एवं अभिनेत्री से भरा पड़ा है वहीं चरित्र भूमिका निभाने वाले कलाकारों का इन सबके बीच अलग ही दबदबा रहा है। एक हद तक इन कलाकारों के बिना फिल्म जगत की रौनक़ फीकी रहती है।

चरित्र भूमिकाओं के बेताज बादशाह नजीर हुसैन



नजीर हुसैन की कहानी अलग–अलग पड़ाव से होकर निकलती है। यह जाने–माने स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे। वह नेताजी सुभाष चंद्र बोस की आजाद हिंद फ़ौज के सक्रिय सदस्य भी थे। विवाहों प्रांत रोजगार के लिए उन्होंने स्टेज शो किये। फिल्म में काम मिलने लगा एक सफल चरित्र अभिनेता के रूप में चमके। वह पहले ऐसे अभिनेता है जिन्होंने भोजपुरी

मिस्र के पिरामिड का रहस्य

कुछ विचारवंत कहते है की पिरामिड बनाने का ज्ञान उन्हें परग्रही वासिओ से मिला था, क्यों की इतनी विशाल और जटिल संरचना का निर्माण करना उस समय अपने आप में बहुत बड़ी बात थी। ये सब बाते वैज्ञानिको के लिए एक पहेली बन चुकी है।

उसे “ग्रेट पिरामिड“ कहते है, जो 450 फिट ऊँचा है। यह पिरामिड बनाने के लिए 30 लाख मजदूरों ने 23 साल तक काम किया होगा। गिज़ा के पिरामिड में 23 लाख चुना पत्थरों का उपयोग किया गया है। हर एक पत्थर का वजन 2 से 30 टन तक का है और ये 13 एकर ज़मीन पे फैला हुआ है। गीजा के पिरामिड को 2560 ईसा पूर्व मिस्र के शास्क खुफु के चौथे वंश के द्वारा अपनी कब्र के तोर पर बना गया था। पिरामिड के अंदर का तापमान 20अंश सेल्सिअस हमेशा बरकरार रहता है, चाहे बाहर कितना भी तापमान रहे। पिरामिड के बाहर पत्थरों को इतनी कूशलतासे बनाया गया और बिठाया गया की उनके जोड़ों में एक भी ब्लेड घुसाई नहीं जा सकती। और एक आश्चर्य की बात यह है की, इन पिरामिडों का निर्माण ओरियन राशि के तीन तारों

दर्जन भर लोकसभा सीटों ने बढ़ा रखी है भाजपा नेतृत्व की टेंशन

भारतीय जनता पार्टी के नेता भले ही सार्वजनिक रूप से अगले वर्ष होने वाले आम चुनाव में उत्तर प्रदेश की सभी 80 लोकसभा सीटों पर जीत का दावा कर रहे हों, लेकिन अंदर खाने की खबर यही है कि फिलहाल बीजेपी आलाकमान 68—70 सीटों से आगे जीत का अनुमान नहीं लगा पा रहा है। बीजेपी मुस्लिम बाहुल्य कुछ सीटों पर हमेशा से कमजोर रही है तो कई मौजूदा सांसद जनता के बीच अपनी खराब छवि के चलते पार्टी के लिए बोझ बन गए हैं। अब आलाकमान को यह तय करना है कि ऐसे सांसदों का क्या किए जाये जो इस बार बीजेपी के लिए जीत की गारंटी नहीं रह गए हैं। यह सब बातें बीजेपी के आंतरिक सर्वे में भी सामने आ चुकी हैं। इसीलिए पार्टी ने कुछ लोकसभा सीटों के प्रत्याशी बदलने का भी मन बना लिया है। सूत्र बताते हैं कि पार्टी के आंतरिक सर्वे में करीब 16 सीटें ऐसी मिली हैं, जहां पर पार्टी की स्थिति अत्यंत कमजोर है। इन सीटों पर जीत के लिए पार्टी को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है, लेकिन अच्छी बात यह कि इन सीटों पर भी बीजेपी हार की संभावना के बीच भी लड़ती हुई नजर आयेगी। पार्टी के भीतर कुछ सांसदो का टिकट काटे जाने की चर्चा शुरू होते ही उन सांसदों ने दिल्ली से लेकर लखनऊ तक में बैठे अपने आकाओं के यहां दौड़ लगाना शुरू कर दिया है, जिनकी टिकट बंटवारे में अहम भूमिका रहती है। लेकिन बीजेपी आला.कमान इन सब बातों को अनदेखा करते हुए मिशन 80 पूरा करने में लगा है।

उत्तर प्रदेश में मिशन 2024 के तहत पार्टी सभी 80 सीटों पर जीत की रणनीति

पर काम कर रही है। भाजपा की कोशिश सहयोगी दलों से बेहतर समन्वय स्थापित कर चुनावी मैदान में उतरने की है। टिकट बंटवारे के समय एनडीए के सहयोगियों के बीच में किसी प्रकार की खींचतान का न होना, इस बार सकारात्मक संदेश दे रहा है। दूसरी तरफ, विपक्षी गठबंधन आईएनडीआईए में सीटों को लेकर दावेदारी बढ़ने लगी है। बीजेपी इस बात से भी खुश है कि बसपा सुप्रीमो मायावती विपक्षी गठबंधन के लिए सबसे बड़ा खतरा बनती दिख रही हैं। बसपा के उम्मीदवार चुनावी मैदान में किसी भी दल के प्रत्याशी का खेल ऊपर–नीचे कर सकते हैं।

मायावती का चुनावी मैदान में उतरना विप क्षी गठबंधन के लिए किसी भी स्थिति में सही नहीं होगा। विपक्ष मान रहा है कि आमने–सामने का मुकाबला हो तभी भाजपा को हराना संभव हो पाएगा। ऐसे में विपक्ष को एक पाले में लाना होगा। वहीं, भाजपा 50 फीसदी से अधिक वोट शेयर हासिल करने के लिए लोकसभा क्षेत्रवार अपनी रणनीति तैयार करने में जुट गई है। भाजपा का पहला लक्ष्य 2014 में जीती हुई सीटों को वापस हासिल करना है। वर्ष 2014 में भाजपा ने 71 सीटों पर जीत दर्ज की थी। वहीं, सहयोगी अपना दल–एस को 2 सीटों पर जीत मिली थी। उस चुनाव में समाजवादी पार्टी को 5 और कांग्रेस को 2 सीटें मिली थीं। लेकिन, 2019 के चुनाव में सपा–बसपा गठबंधन के कारण बसपा के सीटों की संख्या बढ़कर 10 हो गई। कांग्रेस एक सीट पर सिमटी। सपा ने एक बार फिर 5 सीटों पर जीत हासिल की। भाजपा के सीटों की संख्या ६

टकर 62 रह गई। अपना दल–एस ने अपने 2 सीटों के आंकड़े को बरकरार र खा। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा यूपी की हारी हुई सीटों को रेड जोन में रखा है। साथ ही, जिन सीटों पर सांसदों का परफॉर्मेंस खराब है, उसे भी रेड जोन में रखते हुए तैयारियां चल रही हैं। केंद्रीय नेतृत्व ने तय किया है कि उसके आदेशों को अनदेखा करके जो सांसद अभी तक अपनी छवि सुधारने में नहीं जुटे हैं। ऐसे बेपरवाह रहने वाले सांसदों का टिकट इस बार कट सकता है। वैसे कुछ सांसद नेतृत्व के निर्देशानुसार टिकट कटने की स्थिति से बचने के लिए क्षेत्र में अपनी छवि चमकाने की कवायद में जुट गए हैं। इस बार भाजपा के अंदरूनी सर्वे में वर्ष 2019 के चुनाव में जीती गई फिरोजाबाद, बदायूं और इटावा जैसी लोकसभा सीटों को सबसे मुश्किल श्रेणी में में रखा गया है। इसी तर भले ही भाजपा ने रामपुर और आजमगढ़ उप चुनाव में जीत हासिल की हो, लेकिन दोनों सीटों पर अभी भी बीजेपी जीत का दावा करने की स्थिति में नहीं हैं। इन सीटों पर जीत हासिल करने के लिए विशेष तौर पर रणनीति तैयार की जा रही है।

बात पश्चिमी उत्तर प्रदेश की कि जाए तो यहां की मुरादाबाद, संभल, रामपुर, नगीना, बिजनौर, बदायूं, फिरोजाबाद, इटावा और मैनपुरी सीटों को जीतने के लिए पार्टी द्वारा विशेष प्रयास किया जा रहा है। वहीं, पूर्वी यूपी की आजमगढ़, गौसी, लालगंज, गाजीपुर, जौनपुर, श्रावस्ती और अंबेडकरनगर जैसी सीटें भी भाजपा की चिंता बढ़ा रही हैं। वर्ष 2014 में भाजपा ने मुरादाबाद, रामपुर, संभल,

से एक गिज़ा का पिरामिड है। इन पिरामिडो को लेकर अक्सर सवाल आते है की, उस वक्त उन्होंने बिना आधुनिक औजारों और बिना मशीनों के इतने बड़े पत्थर इतनी ऊचाई पर कैसे पहुचाये होंगे। वर्षो से वैज्ञानिक इन पिरामिडों के रहस्य जानने में लगे हुए है परंतु अभी तक कोई सफलता नहीं मिली।

कई वैज्ञानिक मानते है की, ये पिरामिड सिर्फ शव को दफनाने के लिए नहीं बनाये गए थे और भी बहुत सारे कारणों की वजह से इसका निर्माण पृथ्वी पर कई जगह पर किया गया था। मगर सोचने वाली बात ये है की, एक समय में एक साथ पूरी पृथ्वी पर इतने सारे पिरामिड उस समय किन कारणों की वजह से बनाये गये होंगे ये राज अब भी अनसुलझा है। मिस्र वासीयोके पिरामिडो को लेकर अक्सर सवाल आते है की, उस वक्त उन्होंने बिना आधुनिक औजारों और बिना अदवान्स मशीनों के इतने बड़े बड़े पत्थर इतनी ऊचाई पर कैसे पहुचाये होंगे। माना जाता है की प्राचीन मिस्र के लोग विज्ञान और टेक्नोलॉजी में अपने समय से बहुत आगे थे। कुछ विचारवंत कहते है की पिरामिड बनाने का ज्ञान उन्हें परग्रही वासिओ से मिला था, क्यों की इतनी विशाल और जटिल संरचना का निर्माण करना उस समय अपने आप में बहुत बड़ी बात थी। ये सब बाते वैज्ञानिको के लिए एक पहेली बन चुकी है।

अंबेडकर नगर, नगीना, गाजीपुर, घोसी और लालगंज में जीत हासिल की। भाजपा की कोशिश इन सीटों को फिर से जीतने की है। वहीं, 2019 में बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद, संभल, रायबरेली, घोसी, लालगंज, जौनपुर, अंबेडकर नगर, गाजीपुर, श्रावस्ती, मैनपुरी, सहारनपुर, आजमगढ़, रामपुर और नगीना में मिली हार को जीत में बदलने की भी कोशिश होगी।

खैर, बात मीडिया सर्वे के आधार पर लोकसभा चुनाव में हार–जीत की कि जाए तो टाइम्स नवभारत और ईटीसी के सर्वे के अनुसार एनडीए गठबंधन को 69—73 सीटों पर जीत मिलते नजर आ रही हैं। जिसका मतलब यह है कि अगर वर्तमान में लोकसभा चुनाव कराए जाएं तो यूपी में एनडीए को 70 से ज्यादा सीटें जीतने को मिल सकती हैं। वहीं इंडिया गठबंधन जिसमें समाजवादी पार्टी के अि खलेश यादव सबसे बड़ी पार्टी के तौर पर देखे जा रहे हैं उसे सिर्फ 5 से 9 सीटें ही मिल रही हैं। वहीं बसपा को शुन्य से एक सीट पर जीत मिल सकती है और अन्य के खाते में 1 से 3 सीट जाते हुए नजर आ रही है। फिलहाल इस सर्वे की सबसे बड़ी बात यह है कि 70 से ज्यादा सीटें बीजेपी के खाते में जा रही है, वहीं समा.

जवादी पार्टी का गठबंधन अपना पिछला आंकड़ा भी नहीं छू पा रहा है। सर्वे के अनुसार वोट शेयर की बात करें तो एनडीए को 51.2 प्रतिशत वोट शेयर, इंडिया गठबंधन को 38.2 प्रतिशत वोट शेयर, बसपा को 6.4 प्रतिशत वोट शेयर और अन्य के खाते में 4.2 प्रतिशत वोट शेयर जा रहे हैं।



के बीच में अजीब सा दबदबा बनाया।

उस जमाने की प्रत्येक सामाजिक फिल्मों में उनका सहभाग होने लगा। परिणीता दो बीघा जमीन देवदास यहूदी काला पानी आखिरी दांव बंबई का बाबू श्रीमान सत्यवादी गंगा जमुना साहब बीबी और गुलाम जैसी फिल्मों में उनकी यादगार अभिनय क्षमता काबिले तारीफ रही। इसके साथ ही भावनात्मक भूमिकाओं के लिए भी प्रसिद्ध रहे हैं । अमर अकबर एंथोनी चरस ज्वेल थीफ परख देवदास नेता कश्मीर की काली और राम और श्याम फिल्म में इन्होंने अपनी दमदार भावना प्रधान भूमिकाओं करने का निर्वाहन किया। जो लोगों

के बीच खास लोकप्रिय है।

नजीर हुसैन ने अधिकांश फिल्म देवानंद के साथ की। मुंबई में काम के दौरान उनकी मुलाकात भारत के राष्ट्रपति डॉक्टर राजेंद्र प्रसाद से हुई। क्योंकि राजेंद्र बाबू बिहार के ही थे और उन्होंने नजीर से पूछ ही लिया कि क्या आप भोजपुरी में फिल्में नहीं बनाते? इससे नजीर इतना प्रभावित हुए कि उन्होंने वर्ष 1960 के दशक में गंगा मैया तोहे पियरी चढ़ाईबो

में बतर अभिनेता हुआ लेखक का काम किया 16 फरवरी 1962 को जब फिल्म पर्दे पर आए तो भोजपुरी जगत में भूचाल आ गया। इसके बाद उनका ऐसा सिक्का चला कि वह भोजपुरी फिल्मों के जनक बन गए। अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कमजार फिल्म्स के बैनर के तले उन्होंने अनेक भोजपुरी फिल्मों का निर्माण किया।

उनकी फिल्मों में हमार संसार बलम परदेसिया चनवा के ताके चकोर चुटकी भर सेनुर और रूठ गइलस सैया हमार आदि शामिल हैं। 25 जनवरी 19 94 को नजीर हुसैन ने अंतिम सांस ली।

वकीलों ने प्रमुख सचिव व मुख्य सचिव, डीजीपी का फूँका पुतला, न्यायिक कार्य से विरत रहे

कानपुर। उन्नाव और जालौन में वकीलों ने प्रमुख सचिव व मुख्य सचिव, डीजीपी का पुतला फूंककर विरोध जताया। इसके साथ ही अधिवक्ता न्यायिक कार्य से विरत रहे हैं।

कानपुर टीम, अमृत विचार। उन्नाव और जालौन में वकीलों ने प्रमुख सचिव व मुख्य सचिव, डीजीपी का पुतला फूंककर विरोध जताया। इसके साथ ही अधिवक्ता न्यायिक कार्य से विरत रहे हैं।

उन्नाव के बांगरमऊ में हापुड़ में पुलिस द्वारा अधिवक्ताओं के साथ की गई मारपीट और अधिवक्ता की हत्या को लेकर बार काउंसिल उत्तर प्रदेश के आवाहन पर बांगरमऊ तहसील के अधिवक्ताओं ने आक्रोश व्याप्त किया और नारेबाजी कर प्रमुख सचिव व डी जी पी का पुतला फूँका। साथ ही रजिस्ट्रार कार्यालय में काम बंद कराया। बता दें कि जनपद हापुड़ मे पुलिस द्वारा अधिवक्ताओं के साथ की गई बर्बरता और अधिवक्ताओं की हो रही हत्याओ के विरोध मे बांगरमऊ तहसील के अधिवक्ताओं ने पुलिस प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी कर आक्रोश व्याप्त किया। तहसील परिसर मे प्रमुख सचिव और डी जी पी का पुतला फूँका। तहसील परिसर में नारेबाजी करते हुए रजिस्टार कार्यालय में हो रहे बैनामे को बंद करा दिया। अधिवक्ताओं की हड़ताल के चलते वाद कारियों और बैनामा क्रेता विक्रेताओं को परेशानी उठानी पड़ी। प्रदर्शन में बार अध्यक्ष राम भरोसे वर्मा, सत्यपाल वर्मा, सुभास चंद्र शुक्ला, श्रीकांत द्विवेदी, मुजम्मिल अहमद, छोटेलाल गौतम , मनोज सेंगर, प्रतीक कटियार, मनोज गौतम, परवेज आलम, विनोद यादव, योगेश लोधी, महमूद आलम,शुरभ श्रीवास्तव सहित तमाम अधिवक्ता और सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस बल मौजूद रहा।बार काउंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश के आह्वान पर हापुड़ कांड को लेकर जिला बार संघ के बैनर तले अधिवक्ताओं ने तीन दिवसीय हड़ताल के दूसरे दिन जोरदार प्रदर्शन किया। मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक का पुतला फूंककर विरोध जताया। इस दौरान कहा गया कि सरकार अधिवक्ताओं की मांगों को नजर अंदाज कर रही है। अधिवक्ता जोर और जुल्म को कतई बर्दाश्त नहीं करेगा। पुलिसजनों की ब ख्वास्तगी और पीडितों को मुआवजा की मांग जोरदारी से रखी। तीन दिवसीय प्रदेशव्यापी हड़ताल के दूसरे दिन जिला बार संघ के अध्क्ष गिरीश कुमार श्रीवास्तव व महासचिव ज्ञानेंद्र सिंह राजावत के नेतृत्व में अधिवक्ताओं ने प्रदर्शन किया। न्यायिक कार्य से विरत रहकर जिला एवं सत्र न्यायालय के सामने मुख्य सचिव उ0 प्र0 शासन और पुलिस महानिदेशक का सयुंक्त रूप से पुतला फूंक कर विरोध जताया। इस दौरान सरकार व पुलिस विरोधी नारे लगाते हुए अधिवक्ताओं ने कहा कि जब तक सरकार हमारी 5 सूत्रीय मांगे पूरी नहीं



करती हम लोगों की कलम बंद हड़ताल जारी रहेगी और हम लोग अपना आंदोलन आगे बढ़ाते रहेंगे। अधिवक्ताओं का कहना है कि जैसे राजस्थान सरकार ने अधिवक्ता सुरक्षा कानून लागू कर दिया है, वैसे ही प्रदेश सरकार को भी अधिवक्ता सुरक्षा अधिनियम को लागू करना चाहिए ताकि हम लोगों के साथ हो रही घटनाओं और दर्ज कराए जा रहे फर्जी मामलों से हम लोगों की सुरक्षा हो सके। इस मौके पर हेमंत द्विवेदी, पूर्व सचिव अनुज शर्मा, अशुमन दीक्षित,धीरेंद्र तिवारी, विश्वदीप राव, हरीबाबू, मनोज, पंकज कुमार , सोमेंद्र पाल, अरविंद दोहरे, राघवेंद्र सिंह, भारत कुमार यादव, सुरेश गौतम, वीरेंद्र चतुर्वेदी, प्रथम श्रीवास्तव, मैराज सिद्दीकी, संजीव कुमार तिवारी, राजेश चतुर्वेदी, इंद्रजीत आई जे, लोकेंद्र कुशवाहा मतलूब चंदेल, प्रियंका अहिरवार, सोनिया यादव, रीमा पुष्कर, आराधना, अस्मिता, ज्योति, अवंतिका तिवारी, अलीशा सईद, आदि मौजूद रहे।

जिला बार संघ के तले आज फूँके गए पुतले में दो खास बातें रही। एक तो पुतला बहुत बड़ा बनाया गया। कहा तो यह जा रहा है कि जिले में पुतला दहन के जो प्रदर्शन अभी तक हुए हैं उनमें सबसे बड़ा पुतला अधिवक्ताओं की ओर से बनाकर दहन किया गया। वहीं दूसरी तरफ महिला अधिवक्ताओं की भी भीड़ रही। हर किसी अधिवक्ता का एक ही कहना था कि हापुड़ की घटना में अधिवक्ताओं को न्याय और पुलिसजनों की बर्खास्तगी होनी चाहिए। हापुड़ में वकीलों पर पुलिस द्वारा लाठीचार्ज किए जाने के विरोध में बुंदेलखंड एडवोकेट बार एसोसिएशन मुंसिफ कोर्ट के अध्यक्ष जंगबहादुर सिंह और नवीन बार एसोसिएशन तहसील जालौन के अध्यक्ष श्रीगोविंद चतुर्वेदी के नेतृत्व में दूसरे दिन अधिवक्ताओं की पांच सूत्रीय मांगें पूरी न होने पर अधिवक्ताओं ने एक बार फिर मुख्य सचिव व पुलिस महानिदेशक का पुतला तहसील व मुंसिफ कोर्ट के बाहर फूँका। इस दौरान अधिवक्ताओं ने दोषी पुलिस कर्मियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर उनकी गिरफ्तारी और घायल अधिवक्ताओं को मुआवजा दिलाने की मांग की। इसके अलावा प्रदेश में तत्काल अधिवक्ता प्रोटेक्शन एक्ट लागू किए जाने की भी मांग की गई। इस मौके पर जिला बार संघ के कनिष्ठ उपाध्क्ष ध्रुवप्रताप सिंह गुर्जर, अधिवक्ता राघवेंद्र मोहन चतुर्वेदी, महेश सोनी,

पुष्पेंद्र यादव, नमन, मुलायम सिंह, जीतेंद्र यादव, शैलेंद्र श्रीवास्तव, साहुल, मिंदू सेंगर, नौसाद खान, भूपेंद्र लिटोरिया, रमेशचंद्र जाटव आदि मौजूद रहे। अनिल तिवारी, रमेश. चंद्र श्रीवास्तव, लक्ष्मीचंद्र मिश्रा, कमलेश सिंह सेंगर, सुभाष मिश्रा, विद्यासागर पांडेय आदि मौजूद रहे। जनपद हापुड़ में विरोध प्रदर्शन के दौरान वकीलों पर पुलिस द्वारा लाठीचार्ज किए जाने और लाठीचार्ज में कई वकीलों के गंभीर रूप से घायल हो जाने की घटना को लेकर वकीलों का विरोध प्रदर्शन जारी है। बार काउंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश के आह्वान पर लाठीचार्ज के दोषी पुलिस कर्मियों पर कार्यवाही किए जाने और पीडित वकीलों को मुआवजा दिए जाने की मांग सहित कई अन्य मांगों को लेकर जारी आंदोलन के क्रम में मंगलवार को कोंच बार असोसिएशन अध्यक्ष हरीसिंह निरंजन की अगुवाई में जुटे वकीलों ने उरई रोड स्थित मुंसिफ कोर्ट के गेट पर नारेबाजी करते हुए प्रदेश के मुख्य सचिव और डीजीपी का पुतला फूँका। दइस दौरान मह. मंत्री नरेंद्र पुरोहित, जितेन्द्र पांडेय, विनोद कुमार निरंजन, रामबिहारी श्रीवास्तव, राघवेन्द्र निरंजन, जितेन्द्र गुर्जर, अरुण मिश्रा, ओमप्रक. ाश अग्रवाल, इंद्रजीत राठौर, राजकुमार गौयल, अरुण वाजपेयी, चंड्रेस गोस्वामी, अंकुर पटेल आदि वकील शामिल रहे। मंगलवार को कार्य बहिष्कार के दूसरे दिन अधिवक्ताओं पर हुए लाठीचार्ज में शामिल पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग के साथ रोष व्यक्त किया। हापुड़ जैसी घटना पर सरकार की चुप्पी पर भी नाराजगी जाहिर करते हुए पुतला दहन किया। अधिवक्ताओं के ऊपर लिखे गए फर्जी मुकदमों को समाप्त करने तथा घायल अधिवक्ताओं को मुआवजा दिए जाने सम्बन्धी मांग की गयी। बार संघ अध्यक्ष जय किशोर कुलश्रेष्ठ एडवोकेट,पूर्व अध्यक्ष रामकुमार तिवारी एडवोकेट,अमर सिंह निषाद एडवोकेट, रविन्द्र श्रीवास्तव,राजेश गुप्ता एडवोकेट,राजेन्द्र तिवारी,रवि तिवारी,राकेश द्विवेदी,जयवीर सिंह यादव,राजेश कुमार यादव,प्रभु दयाल पासवान,सतीश चन्द्र निषाद, मनोज जाटव आदि ने पुतला दहन किया और कहा कि न्याय के लिए विरोध का रास्ता अख्तियार करना पड़ रहा है। बार संघ के बैनर तले माधौगढ़ में अधिवक्ताओं ने दूसरे दिन प्रदर्शन किया। कहा कि अधिवक्ताओं को सुरक्षा प्रदान की जाए। इस तरह से अन्याय कतई नहीं सहेंगे। हापुड़ जिले में जो हुआ उसके आरोपी खुले में घूम रहे हैं। सरकार की चुप्पी समझ से परे लग रही है। अधिवक्ताओं ने कहा कि तीन दिवसीय हड़ताल को आगे भी बढ़ाया जा सकता है। इस मौके पर सुरजन सिंह, वीरबहादुर सिंह, मानसिंह राठौर, विपिन कुमार, धर्मेंद्र सिंह, रणवीर तोमर, कप्तान सिंह, शिवन. रेश द्विवेदी आदि मौजूद रहे।



हापुड़ लाठीचार्ज : बार काउंसिल के आह्वान पर वकीलों ने किया पुतला दहन, सौंपा पांच सूत्रीय ज्ञापन



सुल्तानपुर। हापुड़ में अधिवक्ताओं पर हुए लाठी चार्ज के मामले में अधिवक्ताओं ने आर–पार का संघर्ष छेड़ दिया है। प्रदेश बार काउंसिल के आह्वान पर मंगलवार को जिले के अधिवक्ताओं ने बार अध्यक्ष अरविंद पांडेय व महासचिव आतमणि मिश्र की अगुवाई मे हापुड़ की घटना से आक्रोशित पुलिस प्रशासन व जिला प्रशासन व प्रदेश सरकार के िखलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए कलेक्ट्रेट तक पैदल मार्च किया। वकीलों ने उप जिलाधिकारी सीपी पाठक को मुख्यमंत्री को सम्बोधित पांच सूत्रीय ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में संगठन की मांग है कि एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट लागू किया जाए ,हापुड़ के जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक का तत्काल तबादला किया जाए, बर्बरता पूर्ण लाठी चार्ज व महिला वकीलों की पिटाई के दोषी पुलिस कर्मियों पर मुकदमा दर्ज हो और घायल अधिवक्ताओं को तुरंत मुआवजा दिया जाए साथ ही प्रदेश के अधिवक्ताओं के खिलाफ पुलिस की ओर से दर्ज कराए गए झूठे व मनगढ़ंत मुकदमों को वापस लिया जाए।

बार एसोसिएशन अध्यक्ष अरविंद पांडे ने कहा कि बार काउंसिल ने हापुड़ मामले को लेकर मंगलवार को शांति मार्च,

अधिवक्ता हापुड़ कांड को लेकर काफी आक्रोश में हैं शीघ्र ही अधिवक्ताओं की मांग का उचित निस्तारण नही हुआ तो आन्दोलन चलता रहेगा।

ज्ञापन व पुतला दहन का निर्देश दिया था। अधिवक्ता हापुड़ कांड को लेकर काफी आक्रोश में हैं शीघ्र ही अधिवक्ताओं की मांग का उचित निस्तारण नही हुआ तो आन्दोलन चलता रहेगा। इस मौके पर वरिष्ठ उपाध्यक्ष विद्याभूषण , पूर्व अध्यक्ष नागेंद्र सिंह, नरोत्तम शुक्ल, नरेंद्र बहादुर सिंह, महेंद्र प्रसाद शर्मा, अरुण उपाध्याय, वीरेंद्र चतुर्वेदी, राय साहब सिंह, करुणाशंकर दूबे, सिद्धार्थ मिश्र, कुलदीप चतुर्वेदी, शिवा पांडेय, कपिल पांडेय, जनार्दन तिवारी, ऐजाज अहमद, जयंत मिश्र, सुरेश तिवारी ,हरिराम चतुर्वेदी ,जितेन्द्र मिश्र, अरुण पांडेय को लेकर मंगलवार को शांति मार्च,



वकीलों के ऊपर किये जाने वाले अत्याचार के विरोध में गत दिनों वकीलों ने कामकाज रोक किया विरोध प्रदर्शन

डंप फाइलों की जांच शुरू

गोरखपुर। गोरखपुर विश्वविद्यालय के पूर्व कुल. पति प्रो. राजेश सिंह का कार्यकाल चार सितंबर को समाप्त हो गया। उनकी जगह नई कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कार्यभार ग्रहण करने के बाद सबसे पहले कुलपति आवास का निरीक्षण किया। आवास में ही बने कैप कार्यालय में बड़ी संख्या में फाइलें रखी मिलीं। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के कुलपति आवास में दो हजार फाइलें डंप मिलीं हैं। इनमें शिक्षकों के गोपनीय दस्तावेज, वित्त विभाग, शोध अनुमोदन, कॉलेजों की संबद्धता रही है। 200 से अधिक फाइलों को वीसी दफ्तर में जांच की जा आदि से जुड़ी फाइलें भी हैं। फाइलों का ढेर देखकर नवागत रही है।

कुलपति प्रो. पूनम टंडन अवाक रह गईं।

कुलपति ने दो दिनों में सारी फाइलें अब अपने दफ्तर में मंगवा ली हैं। उन्होंने संबंधित विभागों से पड़ताल कर रिपोर्ट मांगी है और करीब 200 बड़े मामलों से जुड़ी फाइलों की जांच खुद शुरू कर दी है। चर्चा यह भी कि इन फाइलों में ऐसे भी मामले हैं जिनमें पिछले दिनों में करोड़ों रुपये के भुगतान किए गए हैं। गोर खपुर विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. राजेश सिंह का कार्यकाल चार सितंबर को समाप्त हो गया। उनकी जगह नई



कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कार्यभार ग्रहण करने के बाद सबसे पहले कुलपति आवास का निरीक्षण किया। आवास में ही बने कैप कार्यालय में बड़ी संख्या में फाइलें रखी मिलीं। जब कुलपति ने कर्मचारियों से इने बारे में पूछा तो पता चला कि सभी फाइलें विभिन्न विभागों से मंगवाई गई हैं। कुलपति ने तत्काल सभी फाइलों को प्रशासनिक भवन में संबंधित विभागों में पहुंचाने का निर्देश दिया। संबंधित विभागों में फाइलों की जांच की जा

दो प्रोफेसरों ने पत्रावली दिखाने के लिए लिखा था पत्र

विश्वविद्यालय में पिछले दिनों यह अफवाह उड़ी थी कि पूर्व कुलपति प्रो. राजेश सिंह ने हिंदी विभाग के निलंबित आचार्य प्रो. कमलेश गुप्ता समेत अन्य शिक्षकों की फाइल पर टिप्पणी की है। इस पर प्रो. कमलेश गुप्ता व रसायन शास्त्र विभाग के आचार्य प्रो . उमेश नाथ त्रिपाठी ने तत्कालीन कुलसचिव प्रो. अजय सिंह को पत्र लिखकर फाइल दिखाने की मांग की।

याद किये गये पूर्व मुख्यमंत्री कमलापति त्रिपाठी



गए स्वतंत्रता संग्राम सेनानी रहे और उत्तर प्रदेश के कार्यकारिणी के अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश अध्यक्ष के रूप में संगठन को मजबूती प्रदान करने का पूर्ण योगदान दिया मुख्यमंत्री के तौर पर उनके द्वारा उत्तर प्रदेश में किए गए विकास कार्य को भुला नहीं जा सकता है संगठन को मजबूत करने के लिए कमलापति का योगदान सदैव याद रहेगा।

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार राय के निर्देश अनुसार जिला और महानगर के तत्वावधानों प्रसिद्ध स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संविधान सभा के सदस्य पूर्व रेल मंत्री एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलापति की जयंती जिला कांग्रेस कमेटी गोरखपुर में मनाई गई जिसमें जिला अध्यक्ष निर्मला पासवान ने कहा कि स्वर्गीय कमलापति स्वाधीनता संग्राम के आंदोलन के दौरान कई बार जेल

युवाओं को नहीं मिल रही नौकरी,

चीन में युवाओं को नौकरी ढूँढ़ने में खासा दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। चीन में 16 से 24 वर्ष की आयु के लोगों की बेरोजगारी दर अप्रैल में 20.4 प्रतिशत के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गई है। यह आंकड़े ऐसे समय में सामने आये है जब चीन में कॉलेज और वोकेशनल स्कूलों के 1.16 करोड़ छात्र एक महीने बाद अपनी पढ़ाई पूरी कर नौकरी बाजार में प्रवेश करने के लिए तैयार होंगे। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, चीन का आर्थिक सुधार अन्य देशों की तुलना में पिछड़ गया है। तुलना के रूप में अमेरिका में युवा रोजगार दर 2020 में महामारी के चरम पर 14.85 प्रतिशत तक पहुंच गई थी , जो 2021 में घटकर 9.57 प्रतिशत रह गई। 2021 के एक सर्वे के अनुसार, शंघाई और बीजिंग जैसे बड़े शहरों में नए ग्रेजुएट के लिए नौकरियों के लिए औसतन केवल 749 अमेरिकी डॉलर प्रति माह की सैलरी दी गई।

इतने पैसे से देश में 269 स्ववायर फ़ुट का अपार्टमेंट ही किराए पर लिया जा सकता है। चीन में महामारी से जुड़ी ज्यादातर रोकथाम हटा दी गई है। इसके बावजूद चीन में युवा रोजगार दर को कम करने की मूलभूत स्थितियों में सुधार नहीं हो रहा है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, एक रिसर्च में पाया गया कि युवा बेरोजगारी जीवन भर की कमाई को कम कर देती है, क्योंकि इसका मतलब है कि युवा स्किल तैयार करने के महत्वपूर्ण अवसरों को खो रहे हैं।



भाजपा परिवर्तन यात्रा असंतुष्टों का हृदय परिवर्तन नहीं . . .



परिवर्तन यात्राओं के लिए एक टोली का गठन किया गया है। जिसमें मीडिया, सोशल मीडिया, आईटी एवं प्रचार—प्रसार सभा के प्रमुख बनाए गए हैं। प्रदेश की गहलोट सरकार के राज में भ्रष्टाचार, तुष्टिकरण एवं कुशासन के कारण प्रदेश की जनता त्रस्त है।

भारतीय सेना में दूसरों का नक्शा बदल देने की क्षमता

चीन अपनी दोगली नीति, षडयंत्रकारी हरकतों एवं विस्तारवादी मंशा से कभी बाज नहीं आता। वह हमेशा कोई ऐसी कुचेष्टा करता ही रहता है जिससे भारत चीन बॉर्डर पर अक्सर तनाव रहता है। ब्रिक्स समिट में जगी भारत—चीन के सामान्य संबंधों की आस आकार लेने से पहले ही धूमिल हो गयी है। नई दिल्ली में होने वाले जी—20 शिखर सम्मेलन से पहले भारत—चीन के संबंधों में सामंजस्य बैठाने के प्रयास चीन के नापाक इरादों से जटिल ही बने रहने वाले हैं। चीन की ओर से जारी किए गए ताजा नक्शे में अरुणाचल प्रदेश को अपना हिस्सा बताकर चीन एक बार फिर सीमा विवाद को बढ़ाने के साथ भारत को उकसाने वाली कार्रवाई में जुटा है। हालांकि भारत ने दो दूक जवाब देते हुए साफ कहा है कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न अंग है और यह चीनी दुष्प्रचार के सिवाय कुछ नहीं है। चीन की इस हरकत ने यह साफ कर दिया है कि उससे संबंध सुधारने की भारत की तरफ से कितनी ही पहल हो जाए, वह सुधरने वाला नहीं है।

दरअसल, सीमाओं को लेकर नित नए विवादास्पद तथ्य लाना चीन की फितरत में शामिल है। अरुणाचल प्रदेश ही नहीं, अक्साई चिन, ताइवान और विवादित दक््षण चीन सागर पर भी चीन अपना दावा जताता रहा है। इससे पहले भी शातिर और चालबाज चीन ने अप्रैल में जारी अपने नक्शे में पहले चुपके से अरुणाचल प्रदेश के गांवों के नाम बदल दिए थे, जिसकी भारत ने निंदा की थी। अब दक्षिणी हिंद महासागर में 19 स्थानों के नाम बदले हैं। चीन की तरफ से दक्षिण हिंद महासागर में 19 तलों के नाम बदलने की हिमाकत की गई है, वे भारतीय प्रायद्वीप से करीब 2000 किलोमीटर दूर हैं। चीनी मीडिया ने इसे बीजिंग का ‘सॉफ्ट पावर’ प्रोजेक्शन कहा है। चीन की ओर से की गई यह कार्रवाई भारत की संप्रभुता और हिंद महासागर के इलाके में भारतीय प्रभाव पर सीधा दखल है। एक महीने के भीतर शी जिनपिंग की भारत की संप्रभुता के साथ छेड़छाड़ की यह दूसरी हिमाकत है। इसे चीन के विस्तारवादी रवैये और हिंद क्षेत्र में चीन की बढ़ती द खल के रूप में देखा जा रहा है।

पिछले पांच साल में चीन नाम बदलने का यह

दुस्साहस तीन बार कर चुका है। इस साल अप्रैल से पहले उसने 2021 में 15 और 2017 में छह जगहों के नाम बदले थे। हालांकि तब भी भारत ने विरोध दर्ज कराते हुए नए नामों को सिरे से खारिज कर दिया था। चीन का यह नया नक्शा ब्रिक्स समिट में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात के बाद एवं नई दिल्ली में अगले माह की शुरुआत में ही होने वाले जी—20 शिखर सम्मेलन से पहले सामने आया है। समूची दुनिया चीन के विस्तारवादी रवैये और दूसरे देशों की जमीन को कब्जाने की नीयत को अच्छी तरह देखती और समझती है। चीन भरोसे करने के काबिल न पूर्व में रहा है और न भविष्य में होने की संभावनाएं हैं। भारत के मामले में चीन का रवैया सदैव शत्रुतापूर्ण एवं

भारत एवं चीन दोनों देशों के बीच संबंधों में आने वाली तल्खी की बड़ी वजह भी चीन की नीयत में खोट, उच्छृंखलता एवं अनुशासनहीनता ही है। चीन ने एक बार फिर अपनी इस हरकत से भारत के प्रति शत्रुता को ही जाहिर किया है।

उसके क्षेत्रों पर अनाधिकृत कब्जाने का ही रहा है। चीन की पिछली हरकतों से भी यह साफ हो गया है कि चीन कभी भी भारत से मित्रवत संबंध बनाने के प्रयासों का साथ देने वाला नहीं है।

भारत एवं चीन दोनों देशों के बीच संबंधों में आने वाली तल्खी की बड़ी वजह भी चीन की नीयत में खोट, उच्छृंखलता एवं अनुशासनहीनता ही है। चीन ने एक बार फिर अपनी इस हरकत से भारत के प्रति शत्रुता को ही जाहिर किया है। भारत के साथ चीन का बर्ताव हमेशा दोगला एवं द्वेषपूर्ण रहा है। चीन ने विस्तारवादी नीतियों के तहत जैसी गतिविधियां चला रखी हैं उनसे भारत ही नहीं, बल्कि समूची दुनिया को चौकन्ना रहने की जरूरत है। राजनीतिक रूप से हमारे यहां विभिन्न दल भले ही एक—दूसरे के विरोधी हों, पर चीन को लेकर भारत से उठने वाली आवाज एक ही होनी चाहिए। चीन के मनमाने रवैये को पश्चिमी देश अच्छे से

महसूस भी कर रहे और उनके पक्ष—विपक्ष के नेता एक सुर में उसकी हरकतों के खिलाफ आवाज भी उठा रहे। इसके विपरीत भारत में अलग स्थिति है। अपने देश के कई नेता चीनी सेना के अतिक्रमणकारी रवैये को लेकर मोदी सरकार को तो कदघरे में खड़ा करते हैं लेकिन चीन के प्रति एक शब्द भी नहीं बोलते। हाल ही में राहुल गांधी ने कथित तौर पर लद्दाख की जमीन पर चीन का कब्जा होने का जो दावा किया गया है, वह जल्दीबाजी में बिना सोच के दिया गया गुमराह करने वाला बयान था, उससे यही पता चलता है कि वे चीन जैसे शत्रु राष्ट्र का मूक समर्थन करते हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि भारत के सबसे बड़े दुश्मन राष्ट्र की वे तरफदारी करते एवं चीन के एजेंडे को बल देते नजर

भारत एवं चीन दोनों देशों के बीच संबंधों में आने वाली तल्खी की बड़ी वजह भी चीन की नीयत में खोट, उच्छृंखलता एवं अनुशासनहीनता ही है। चीन ने एक बार फिर अपनी इस हरकत से भारत के प्रति शत्रुता को ही जाहिर किया है।

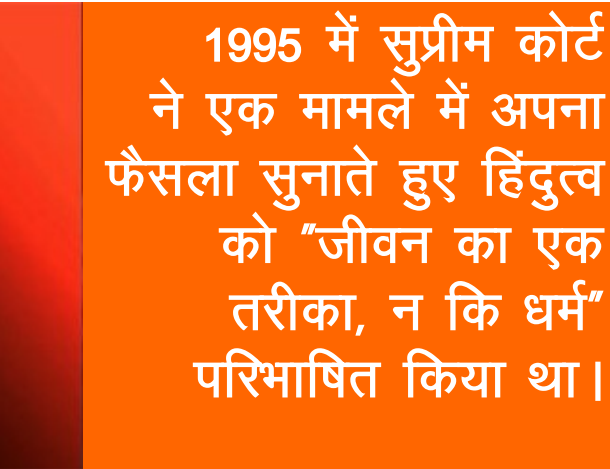
आते हैं। उनका यह रवैया नया नहीं, लेकिन यह देश के लिये घातक है। यह भूला नहीं जा सकता कि डोकलाम विवाद के समय वह भारतीय विदेश मंत्रालय को सूचित किए बिना किस तरह चीनी राजदूत से मुलाकात करने चले गए थे। क्या इससे अधिक गैरजिम्मेदाराना हरकत और कोई हो सकती है? ऐसे ही सवालों में आज तक इस सवाल का जवाब भी नहीं मिला कि आखिर राजीव गांधी फाउंडेशन को चीनी दूतावास से चंदा लेने की जरूरत क्यों पड़ी?

राहुल को यह भी विस्मृत नहीं करना चाहिए कि जवाहरलाल नेहरू के समय चीन ने किस तरह पहले तिब्बत को हड़पा और फिर 1962 के युद्ध में ‘हिन्दी चीनी भाई—भाई’ का नारा जप कर भारत माता की 45, 000 वर्ग किलोमीटर भूमि चीन को दे दी। आज जब भारत चीन के अतिक्रमणकारी एवं अति महत्वाकांक्षी रवैये के खिलाफ डटकर खड़ा है और उसे उसी की

भाषा में जवाब दे रहा है तब राहुल गांधी एवं विपक्षी दलों के नेता जानबूझकर प्रधानमंत्री की एक सशक्त एवं विश्व नेता की छवि पर हमला करने के लिए उतावले रहते हैं। वह अंध मोदी विरोध के चलते सारी मर्यादाओं का अतिक्रमण कर जाते हैं। वह यह बुनियादी बात समझने के लिए तैयार नहीं किए जा सकते हैं। फिलहाल वसुंधरा राजे अभी चुप्पी साधे हुए हैं तथा सही समय का इंतजार कर रही हैं। अंदर खाने वसुंधरा राजे ने अपनी राजनीति का अगला प्लान तैयार कर रखा है। इसलिए वह अपने धुर विरोधियों से मिलकर उनसे राजनीतिक मतभेद समाप्त कर रही हैं। दूसरी ओर, राजस्थान में मुख्यमंत्री अशोक गहलोट कांग्रेस की फिर से सरकार बनाने के लिए पूरा जोर लगाए हुए हैं। कांग्रेस आला कमान के प्रयासों से सचिन पायलट भी गहलोट के साथ जुट गए हैं। ऐसे में भाजपा अपनी अंदरूनी फूट पर कितना काबू कर पाती है। इसी पर राजस्थान में भाजपा की अगली सरकार बनने का भविष्य टिका है।

अपनी आर्थिक शक्ति के नशे में चूर अहंकारी चीन अंतरराष्ट्रीय नियम—कानूनों को जिस तरह धता बता रहा है, उससे वह विश्व व्यवस्था के लिए खतरा ही बन रहा है। अब यह भी किसी से छिपा नहीं कि वह गरीब देशों को किस तरह कर्ज के जाल में फंसाकर उनका शोषण कर रहा है।

चीन ने अंतरराष्ट्रीय कानूनों की अनदेखी कर जिस तरह अपने नए नक्शे में दक्षिण चीन सागर को भी शामिल कर लिया, वह उसकी उपनिवेशवादी मानसिकता का ही परिचायक है। चीन अपनी कुचेष्टाओं एवं कर्तूतों से भारत को उकसाना चाहता है लेकिन शायद चीन भूल गया है कि अब भारत 1962 वाला भारत नहीं है, यह नया भारत है और आज का भारत चीन को मिट्टी में मिलाने की ताकत रखता है। भारत की रणनीति साफ है, स्पष्ट है। आज का भारत समझने और समझाने की नीति पर विश्वास करता है लेकिन अगर हमें आजमाने की कोशिश होती है तो जवाब भी उतना ही प्रचंड देने में वह समर्थ है। हम दुश्मन को घर में घुसकर मारते हैं। पूरा देश जानता है कि राष्ट्र के स्वाभिमान, राष्ट्र की अस्मिता, राष्ट्र की विरासत, राष्ट्र के गौरव पर हमला करने वालों को भारत मुंहतोड़ एवं करारा जवाब देने में सक्षम है। भारतीय सेना में सरहदें बदल देने की क्षमता है, दुश्मनों को इरादों को ध्वस्त करने का मादा है इसलिये चीन अपने नक्शे में भले ही छेड़छाड़ करता रहे, लेकिन भारत की भूमि पर कब्जाने की उसकी मंशा अब कभी साकार नहीं होगी।



1995 में सुप्रीम कोर्ट ने एक मामले में अपना फैसला सुनाते हुए हिंदुत्व को “जीवन का एक तरीका, न कि धर्म” परिभाषित किया था।

कहां से आया, विवाद में क्यों छाया, प्राचीन से लेकर अर्वाचीन तक सनातन क्या है?

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के बेटे उदयनिधि, सनातन धर्म पर अपनी टिप्पणी के बाद विवादों में हैं। उन्होंने इसकी तुलना डेंगू और मलेरिया जैसी बीमारियों से की और इसके उन्मूलन की मांग की। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) गृह मंत्री अमित शाह और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के साथ उनकी टिप्पणियों पर नाराज हो गई है, जिन्होंने उदयनिधि की टिप्पणियों पर कड़ा विरोध जताया है और विपक्षी गुट इंडिया पर नफरत, जहर फैलाने और देश की संस्कृति पर हमला करने का आरोप लगाया है। उदयनिधि की पार्टी द्रविड़ मुनेत्र कडगम ने अपने उत्तराधिकारी का बचाव करते हुए कहा है कि उनके बयान को “तोड़ मरोड़कर पेश” किया गया है, जबकि इंडिया ब्लॉक के कई नेताओं ने कहा कि नेताओं को ऐसी टिप्पणियां करने से बचना चाहिए। जैसे-जैसे विवाद बढ़ता जा रहा है और राजनीतिक जुबानी जंग बढ़ती जा रही है। ऐसे में पूरे विवाद को समझते हुए आइए जानते हैं कि सनातन की असल परिभाषा क्या है। प्राचीन से लेकर अर्वाचीन तक इसको लेकर क्या हैं विचार।

तमिलनाडु प्रोग्रेसिव राइटर्स एंड आर्टिस्ट एसोसिएशन की एक बैठक को संबोधित करते हुए उदयनिधि ने कहा कि सनातन समानता और सामाजिक न्याय के िखलाफ है। युवा मंत्री ने आरोप लगाया कि सनातन ने लोगों को जाति के आधार पर बांटा है। उन्होंने तर्क दिया कि यह तर्क स्वाभाविक रूप से प्रतिगामी है, लोगों को जाति और लिंग के आधार पर विभाजित करता है और मूल रूप से समानता और सामाजिक न्याय का विरोध करता है। इसके बाद उन्होंने कथित तौर पर इसकी तुलना “डेंगू, मलेरिया और कोविड –19 जैसी बीमारियों से की और इसके उन्मूलन का आह्वान किया। उनकी टिप्पणी के तुरंत बाद, तमिलनाडु भाजपा प्रमुख के अन्नामलाई ने उदयनिधि पर सनातन धर्म का पालन करने वाली भारत की 80 प्रतिशत आबादी के नरसंहार का आह्वान करने का आरोप लगाया।

बीजेपी ने बताया सनातन का अपमान
गृह मंत्री अमित शाह ने इंडिया ब्लॉक पर वोट बैंक और तुष्टिकरण की राजनीति के लिए सनातन धर्म का “अपमान” करने का आरोप लगाया, जिसका डीएमके एक हिस्सा है। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने लोगों से विपक्षी समूह को खारिज करने की अपील की, जो नफरत, जहर फैला रहा है और देश की संस्कृति और परंपरा पर हमला कर रहा है। भाजपा ने आरोप लगाया कि यह स्पष्ट है कि हिंदू धर्म का पूर्ण उन्मूलन” विपक्षी गठबंधन का प्राथमिक एजेंडा है। भगवा पार्टी ने द्रमुक नेता की टिप्पणी को “घृणास्पद भाषण” बताते हुए सुप्रीम कोर्ट से उनके खिलाफ उचित कार्रवाई करने का आग्रह किया। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भी उदयनिधि और इंडिया ब्लॉक पर निशाना साधते हुए तमिलनाडु कांग्रेस प्रमुख केएस अलागिरी का एक पुराना वीडियो साझा करते हुए कहा कि राज्य में गठबंधन का उद्देश्य सनातन धर्म को नष्ट करना है।

सनातन धर्म क्या है
ये तो वो बातें थी जो अलग-अलग दलों ने उदयनिधि

के बायन के विरोध में कही। अब असल मुद्दे पर आते हैं कि सनातन का मतलब क्या है। सनातन धर्म एक शब्द है जो हिंदू धर्म के शाश्वत सत्य को दर्शाता है। इस वाक्यांश की जड़ें प्राचीन संस्कृत में खोजी जा सकती हैं। सनातन का अर्थ है वह जो आरंभ या अंत से रहित है या अनन्त है। धर्म, जिसका अंग्रेजी में कोई वास्तविक प्रत्यक्ष अनुवाद नहीं है, धृ शब्द से आया है जिसका अनुवाद मोटे तौर पर एक साथ रखना या बनाए रखना के रूप में किया जा सकता है। धर्म की व्याख्या अक्सर प्राकृतिक कानून के रूप में की जाती है। सनातन धर्म समग्र रूप से जीने के प्राकृतिक और शाश्वत तरीके में अनुवादित है। इसे व्यापक रूप से आधुनिक हिंदू धर्म का वर्णन करने के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला मूल शब्द माना जाता है। इस्कॉन के अनुसार, सनातन धर्म वे कर्तव्य हैं जो व्यक्ति की आत्मा के रूप में आध्यात्मिक पहचान को ध्यान में रखते हैं और इस प्रकार सभी के

जैसे-जैसे विवाद बढ़ता जा रहा है और राजनीतिक जुबानी जंग बढ़ती जा रही है। ऐसे में पूरे विवाद को समझते हुए आइए जानते हैं कि सनातन की असल परिभाषा क्या है। प्राचीन से लेकर अर्वाचीन तक इसको लेकर क्या हैं विचार।

लिए समान हैं। एनसाइक्लोपीडिया ब्रिटानिका के अनुसार, सनातन धर्म में ईमानदारी, जीवित प्राणियों को चोट पहुंचाने से बचना, पवित्रता, सद्भावना, दया, धैर्य, सहनशीलता, आत्म-संयम, उदारता और तपस्या जैसे गुण शामिल हैं। धार्मिक विशेषज्ञ ध्यान देते हैं कि इस संहिता का पालन करने से व्यक्ति मोक्ष, आध्यात्मिक मुक्ति, आत्म-ज्ञान और आत्मज्ञान की स्थिति तक पहुंच सकता है। सनातन धर्म की शिक्षाएँ पवित्र वैदिक ग्रंथों में दी गई हैं। यह महाभारत में भी शामिल है जिसमें 1, 10,000 चार पंक्तियों वाले छंद हैं और रामायण में 24, 000 दोहे हैं। वैदिक धर्मग्रंथों से युक्त सभी पवित्र पुस्तकों में से भगवद गीता के पवित्र पाठ को इसके सबसे आवश्यक रहस्योद्घाटन वाला माना जाता है। विशेषज्ञों के अनुसार, यह अवधारणा सबसे पहले भगवान कृष्ण द्वारा बोली गई थी और अथर्ववेद में दर्ज की गई थी। भगवद गीता भी इस बात की पुष्टि करती है कि भगवान कृष्ण ने लाखों साल पहले सूर्य के देवता विवस्वान को सनातन धर्म के विज्ञान का निर्देश दिया था। कुरुक्षेत्र के युद्धक्षेत्र में एक बार फिर कृष्ण ने अर्जुन को यही निर्देश दिया।

सुप्रीम कोर्ट ने सनातन को लेकर क्या कहा था
1995 में सुप्रीम कोर्ट ने एक मामले में अपना फैसला सुनाते हुए हिंदुत्व को “जीवन का एक तरीका, न कि धर्म” परिभाषित किया था। सुप्रीम कोर्ट 1990 की

जिस याचिका पर विचार कर रही थी वो महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों से संबंधित था। जहां शिवसेना और भाजपा उम्मीदवारों ने कथित तौर पर बाल ठाकरे और प्रमोद महाजन के दो भाषणों का इस्तेमाल हिंदुत्व और हिंदू राष्ट्र के नाम पर वोट मांगने के लिए किया था। 1990 में शिवसेना और बीजेपी के कई विजयी उम्मीदवा. रों के खिलाफ याचिकाएँ दायर की गईं और बॉम्बे हाई कोर्ट ने उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट के न्यायधीश सैम पिरोज भरुचा ने मामले में कहा कि आमतौर पर हिंदुत्व को जीवन जीने का एक तरीका या मन की स्थिति के रूप में समझा जाता है और इसे धार्मिक हिंदू कट्टरवाद के साथ नहीं समझा जा सकता है।

सावरकर की नजरों में सनातन ही हिंदुत्व की पहचान
साल 1909 में जब गांधी लंदन में थे और एक शाम वो सावरकर से मिले। इस दौरान सावरकर ने उनके पुस्तकालय में एक पुस्तक ‘सनातनी हिन्दू’ की खोज की। पुस्तक के लेखक सावरकर ने पुस्तक में ‘सनातनी हिन्दू’ शीर्षक से प्रकाशित हुई थी। 1928 में इसका प्रकाशन दूसरे शीर्षक ‘हिंदुत्व: हू इज ए हिंदू’ से हुआ। पुस्तक के टाइटल और लेखक अलग होने की वजह थी कि सावरकर को जेल में लेखन की आजादी नहीं थी। सावरकर ने ‘हिंदुत्व’ शब्द का प्रयोग अपनी विचारधारा की रूपरेखा बनाने हेतु किया। उनकी इस पुस्तक के बाद ‘हिंदुत्व’ सामान्य शब्द न रहकर विचारधारा से जुड़ गया। सावरकर ने हिंदू जीवन-पद्धति को अन्य जीवन पद्धतियों से अलग और विशिष्ट रूप में प्रस्तुत किये।

खुद को सनातनी हिंदू मानते थे गांधी
गांधीजी एक सनातनी हिंदू थे। उनकी राजनीति उनके सनातन धर्म पर आधारित थी। वह हिंदू समाज के सामाजिक ताने-बाने को एकजुट रखने के लिए अपने जीवन का बलिदान देने के लिए तैयार थे। उन्होंने छुआछूत के अपराध और पाप के प्रति हिंदू विवेक को जागृत करने के लिए सबसे बड़ा जन अभियान चलाया।

उन्होंने धर्मांतरण के खिलाफ लड़ाई लड़ी। महात्मा गांधी ने यंग इंडिया के 1921 के एक अंक में लिखा था कि मैं अपने को सनातनी हिंदू इसलिए कहता हूं क्योंकि मैं वेदों, उपनिषदों, पुराणों और हिंदू धर्मग्रंथों के नाम से प्रचलित सारे साहित्य में विश्वास रखता हूं और इसीलिए अवतारों और पुनर्जन्म में भी।

सनातन धर्म को लेकर संघ और गांधी के विचार
वरिष्ठ पत्रकार एवं लेखर मनोज जोशी ने अपनी पुस्तक हिंदुत्व और गांधी में हिंदू धर्म को लेकर गांधी के विचारों की पड़ताल करने के साथ ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की ओर से हिंदुत्व पर रखे गए दृष्टिकोण को भी सामने रखा है। गांधी के हिन्दुत्व और आरएसएस के हिंदुत्व में उन्होंने एक समान देखा है, जिसे उन्होंने अपने पाठकों के सामने तर्कों एवं तथ्यों के साथ रखा है। हिंदू धर्म के संदर्भ में कुछ बातें स्वयं महात्मा गांधी ने 7 जनवरी 1926 को नवजीवन में लिखी थी। इसका उल्लेख मनोज जोशी की पुस्तक में किया गया है। महात्मा गांधी ने लिखा कि जब जब इस धर्म पर संकट आया। तब तब हिंदू धर्मावलंबियों ने तपस्या की है। हिंदुत्व का कोई और रूप नहीं है। हिंदू धर्म एक ही है। जब गांधीजी संघ के एक शिविर में आए, संघ के संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार से मिले और द्वितीय सरसंघचालक माधव सांघिवराव गोलवलकर उपाख्य ‘गुरुजी’ के साथ भी उनका संवाद हुआ है।

तिलक का हिदुत्व
तिलक ने 1884 में पहली बार हिंदुइज़्म से अलग हिंदुत्व की परिकल्पना पेश की। उन्होंने बार-बार ब्रिटिश सरकार से अपील की कि धार्मिक तटस्थता की नीति त्यागकर जातीय प्रतिबंधों को कठोरता से लागू करें। जब ब्रिटिश सरकार ने उनके आवेदनों पर ध्यान नहीं दिया तो उन्होंने देशी राजाओं का रुख किया। उन्होंने कोल्हापुर के युवा महाराज छत्रपति साहू जी को सलाह दी कि वह हिंदुत्व पर गर्व को लेकर गंभीरता से काम करें और वर्णाश्रम धर्म को कड़ाई से लागू करें।

शिकागो तक ले गए विवेकानंद
विवेकानंद का जब भी कभी जिक्र होता है तो अमेरिका के शिकागो की धर्म संसद में साल 1893 में दिए उनके भाषण का जिक्र जरूर होता है। यही वो भाषण है जिसने पूरी दुनिया के सामने भारत को एक मजबूत छवि के साथ पेश किया। विवेकानंदजद ने अपने भाषण की शुरुआत करते हुए कहा था कि अमेरिकी भाईयों और बहनों, आपने जिस स्नेह के साथ मेरा स्वागत किया है उससे मेरा दिल भर आया है। मैं दुनिया की सबसे पुरानी संत परंपरा और सभी धर्मों की जननी की तरफ से धन्यवाद देता हूं। सभी जातियों और संप्रदायों के लाखों करोड़ों हिंदुओं की तरफ से आपका आभार व्यक्त करता हूं। मैं इस मंच पर बोलने वाले कुछ वक्ता. ऑं को भी धन्यवाद करना चाहता हूं जिन्होंने ये जाहिर किया कि दुनिया में सहिष्णुता का विचार पूरब के देशों से फैला। मुझे गर्व है कि मैं उस धर्म से हूं जिसने दुनिया को सहिष्णुता और सार्वभौमिक स्वीकृति का पाठ पढ़ाया है।

रातों रात स्टार बनने की मानसिक बीमारी से ग्रसित है उदयनिधि स्टालिन और प्रियांक खरगे ..!

सनातन को डेंगू मलेरिया कहने वाले उदयनिधि स्टालिन रातों रात स्टार बनने की फिराक में जो कुत्सित प्रयास किया वह नया नहीं बल्कि बहुत पुराना हथकंडा है जिससे कई नेताओं की रोजी रोटी चलती है । ये फजीहत अब भारी पड़ रहा है क्योंकि हिंदूवादी संगठन जागृत हो चुके हैं और उनके हथ्थे चढ़े स्टालिन , उदय निधि स्टालिन आंध्रा के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के पुत्र है । उधर सिर कलम कर लाने वाले को दस करोड़ का इनाम घोषित कर परमहंस महाराज ने मचाया हड़कंप , कहते हैं आपको अगर रातों रात स्टार बनना है तो बहुत ही शॉर्ट कट तरीका है । बस आप सनातन या हिन्दू को गाली दे दीजिए । यही किया मुख्य मंत्री एमके स्टालिन के बेटे उदयनीधी स्टालिन ने । आपको बता दे ये धर्म से ईसाई है और सनातन के प्रति इनकी मानसिकता जग जाहिर है । ऐसे में ये बयान केवल रातों रात राजनीति में स्थापति होने का शिगूफा है । उधर क्रिया पर प्रतिक्रिया देते हुए अयोध्या के संत परमहंस महाराज ने कहा कि जो उदयनिधि का सिर कलम करके लाएगा, उसे 10 करोड़ रुपए का इनाम मिलेगा, यह बोलकर संत ने उदयनिधि स्टालिन के पोस्टर पर तलवार चलाई ।

उदयनिधि ने रविवार शाम को भी सनातन धर्म को खत्म करने की बात दोहराई थी, उदयनिधि ने चेन्नई में पत्रकारों से बातचीत में कहा— वह अपने बयान पर कायम हैं! उदयनिधि स्टालिन ने सनातन धर्म की तुलना डेंगू, मलेरिया और कोरोना से की उदयनिधि ने कहा— मच्छर, डेंगू, फीवर, मलेरिया और कोरोना ये कुछ ऐसी चीजें हैं, जिनका केवल विरोध नहीं किया जा सकता बल्कि उन्हें खत्म करना जरूरी होता है! इसी बात पर अयोध्या के संत परमहंस आचार्य ने 4 अगस्त को उनके बयान पर नाराजगी जताई, उन्होंने कहा कि जो उदयनिधि का सिर कलम करके लाएगा, उसे 10 करोड़ रुपए का इनाम मिलेगा, इस दौरान उन्होंने उदयनिधि के पोस्टर पर तलवार चलाई ! हिंदुस्तान में ईरानी आए, यूनानी आए, सिकंदर आया, शक आए, कुषाण आए, हूण आए, तुर्की आए, खिलजी आए, मुगल से, अंग्रेज आए ये सभी वापस अपना बोरिया बिस्तर बांधकर चले गए । लेकिन सनातन तब भी था, आज भी है, आगे भी रहेगा । जब तक सूरज है, चांद है, पृथ्वी है, आसमान है, हवा है, पानी है, मनुष्य है तब तक सनातन रहेगा ।आदि से लेकर अंत तक जिसका अंत नहीं वही सनातन है ! दोनों प्रकार

का कोई भी बयान बाजी मुझे उचित नहीं लगता, अगर करना है तो कानूनी कार्रवाई कीजिए सनातन धर्म पर वार तो कई सालों से हो रहा है, स्वामी लक्ष्मणानन्द जी की हत्या,साध्वी प्रज्ञा को भगवा आतंकवाद कह के प्रताड़ित करने,पालघर के साधुओं की हत्या, लड़की की मेडिकल रिपोर्ट में साफ साफ नो रेप होने के बावजूद मिशनरियों द्वारा संचालित मीडिया ट्रायल के कारण निर्दोष होते हुए भी संत श्री आशाराम बापूजी जेल में, और स्टालिन जैसे लोग सारेआम सनातन धर्म को मिटाने की बात करते हैं।क्या ये सम्पूर्ण हिन्दू समाज के लिए बहुत बड़ी धमकी नहीं है। आखिर हो क्या रहा है हिंदुराष्ट्र हिंदुस्तान के अंदर।मेरे हिसाब से जैसे को तैसा मिलना चाहिए। अगर एक संत ने बोला है तो कुछ सोच समझकर ही बोला होगा। ये तो सब जानते हैं की कानून इन जैसे लोगों का कुछ भी नहीं उखाड़ पाएगा। 100 करोड़ हिंदुओं को मारने की बात पर क्या किया इस कोर्ट ने।"अहिंसा परमो धर्म: धर्म हिंसा तथैव च: "आप लोग समझ नहीं रहे हैं। द्रविड़ आंदोलन की ये भाषा उस प्रदेश में स्वीकृत है, जहां 80p से ज्यादा आबादी जनगणना में खुद को हिंदू लिखती है। वहाँ हिंदुओं के वोट से द्रविड़ पार्टियाँ चुनाव जीतती हैं। ये

देश का सबसे शिक्षित, स्वस्थ और औद्योगिक रूप से अग्रणी राज्य है। इस भाषा के साथ द्रविड़ आंदोलन के लोग पिछले पाँच दशक से भी लंबे समय से तमिलनाडु में लगातार राज कर रहे हैं और अटल बिहारी बाजपेयी से लेकर मनमोहन सिंह इनके साथ मिलकर चलते रहे हैं और उन्होंने मिलकर सरकारें चलाई हैं। लेकिन इस भाषा की परिणति कभी हिंसा में नहीं हुई। ये वैचारिक बहस का विषय नहीं है। इस पर सजा का प्रावधान कीजिए इसे हिन्दू धर्म के बेइज्जती के साथ जोड़ लें। सनातन का अंत एक दंडनीय बात है। ज्यादा उत्तेजित न हों। कोई मोदी के साम्राज्य को खत्म नहीं कर पा रहा तो अनर्गल बात बोल कर खुद को लाइम लाइट में ला रहा ।तमिलनाडु में देश में सबसे ज्यादा मंदिर हैं उन्हें पहले मिटा कर दिखाए स्टालिन ,जो चकाचक चल रहे हैं। ये सोचिए स्टालिन साहब कि आप जिस भी पार्टी के साथ हैं, वह पार्टी कल किसी हिंदूवादी पार्टी के साथ तालमेल करके सरकार चलाने लेगी। तब आपको शर्मिंदा होना पड़ेगा।

पंकज कुमार मिश्रा
जौनपुर यूपी



न्यायिक कार्य से विरत रहे अधिवक्ता, पुतला दहन कर जताई नाराजगी

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट के अधिवक्ता बुधवार को न्यायिक कार्य से विरत रहे। अधिवक्ताओं ने जुलूस की शक्ल में नारेबाजी की और पुलिस प्रशासन का पुतला दहन किया। हापुड़ की घटना को लेकर अधिवक्ता काफी आक्रोशित दिखे और मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की। हापुड़ में वकीलों पर बर्बर लाठीचार्ज के विरोध में इलाहाबाद हाईकोर्ट और जिला न्यायालय के अधिवक्ता बुधवार को हड़ताल पर रहे। वकीलों ने पुलिस प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए पुतला भी दहन किया।

हापुड़ में वकीलों पर बर्बर लाठीचार्ज के विरोध में इलाहाबाद हाईकोर्ट के अधिवक्ता न्यायिक कार्य से विरत रहे। यूपी बार काउंसिल ने इसकी घोषणा मंगलवार को ही कर दी थी। वकीलों ने बैठक कर घटना की कड़ी निंदा की और घटना की निष्पक्ष जांच की मांग की। इसी तरह जिला कचहरी के अधिवक्ताओं ने भी हापुड़ की घटना को लेकर न्यायिक कार्य से विरत रहने का निर्णय लिया। बैठक कर घटना की कड़ी निंदा की गई।

पुलिस प्रशासन के खिलाफ की गई नारेबाजी

हापुड़ में वकीलों पर हुए लाठीचार्ज के विरोध में अधिवक्ता बुधवार को हड़ताल पर रहे। मंगलवार देर रात यूपी बार काउंसिल ने इसका निर्णय लिया है। बार काउंसिल ने हापुड़ के डीएम, एसपी और संबंधित सीओ का 48 घंटे के अंदर तबादला करने की मांग की। दोषी



हापुड़ में हुआ था लाठीचार्ज

यूपी के हापुड़ जिले में पुलिस ने मंगलवार को अधिवक्ताओं पर लाठीचार्ज कर दिया। विरोध कर रहे अधिवक्ताओं से कोतवाली पुलिस की जमकर नोकझोंक और खींचतानी हुई। पुलिस ने अधिवक्ताओं पर लाठी चार्ज कर जाम खुलवाया। हापुड़ में बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों और सदस्यों ने महिला अधिवक्ता एवं उसके पिता के खिलाफ फर्जी मुकदमा दर्ज करने का आरोप लगाते हुए मंगलवार को भी न्यायिक कार्य नहीं किया और तहसील चौपला पर जाम लगा दिया। अधिवक्ता मुकदमा वापस लिए जाने की मांग कर रहे थे।

पुलिस अफसरों-कर्मचारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की भी मांग की गई। बार काउंसिल ने चेतावनी भी दी कि यदि सरकार कार्रवाई नहीं करती तो तीन सितंबर को बैठक बुलाकर आगे की रणनीति तय की जाएगी। बार काउंसिल अध्यक्ष शिव कुमार गौड़ ने बताया कि लखनऊ और उसके आसपास के जिलों के अधिवक्ताओं का आह्वान किया गया है कि बार एसोसिएशन के अध्यक्ष जितेंद्र नायक ने भी न्यायिक जांच कराकर कार्रवाई की मांग की है।

हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अशोक कुमार सिंह और सचिव नितिन शर्मा की अगुवाई में हुई बैठक में निंदा प्रस्ताव पारित किया गया। बार काउंसिल ऑफ इंडिया और यूपी बार काउंसिल को पत्र भेजकर दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग भी की गई है। केंद्रीय प्रशासनिक अधिकरण (कैट) बार एसोसिएशन के अध्यक्ष जितेंद्र नायक ने भी न्यायिक जांच कराकर कार्रवाई की मांग की है।



हापुड़ घटना को लेकर छाता के अधिवक्ताओं ने किया पुतला दहन

कारण झांसी में इस्कॉन की स्थापना का

झांसी। भगवान कृष्ण की उपासना के दुनिया भर में कई केंद्र हैं। ढेरों मंदिर हैं, अनेकों संस्थाएं हैं, जो कृष्ण की भक्ति और भगवद गीता के संदेश को दुनिया भर में पहुंचाने का काम करती हैं। इन्हीं में से एक संस्था है इस्कॉन। इस्कॉन का पूरा नाम इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर कृष्णा कौनशियस्नेस है। इस्कॉन के दुनिया भर में 1 हजार से अधिक केंद्र हैं।

अकेले भारत में इसके 400 केंद्र हैं और यहां तक कि पाकिस्तान में भी इस्कॉन के 12 मंदिर बने हुए हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं इस्कॉन संस्था की स्थापना का विचार वीर भूमि झांसी में ही आया था। इस्कॉन के संस्थापक भक्तिवेदांत स्वामी प्रभुपादजी महाराज इसकी शुरुआत झांसी से ही करना चाहते थे।

दरअसल, धर्म गुरु बनने से पहले भक्तिवेदांत स्वामी प्रभुपाद आयुर्वेदिक दवाएं बनाने का काम करते थे। इस्कॉन समिति के वरिष्ठ सदस्य अन्धोर प्रभु ने बताया कि आयुर्वेदिक दवाओं के सिलसिले में स्वामी प्रभुपाद अक्सर झांसी के आयुर्वेदिक कॉलेज में आया करते थे। 1952 से उन्होंने नियमित रूप से यहां आना शुरू किया। झांसी के दो व्यक्ति उनके अनुयायी हो गए। इन्हीं यात्राओं



के दौरान स्वामी प्रभुपाद की नजर आंतियां तालाब के सामने बने राधा बाई स्मारक पर पड़ी। स्मारक पर कृष्ण मंत्र लिखा हुआ था। स्वामी प्रभुपाद ने अपने उन दोनों अनुयायियों से कहा कि हम यहां कृष्ण भक्ति की एक संस्था की स्थापना करेंगे।

1957 में शुरू किया भक्तों का संघ

अन्धोर प्रभु बताते हैं कि स्वामी प्रभुपाद ने शुरुआत में इस संस्था का नाम भक्तों का संघ रखा। इसके लिए उन्होंने तत्कालीन दैनिक समाचार पत्रों में विज्ञापन भी दिया। विज्ञापन में कहा गया कि ऐसे शि क्षत युवाओं की जरूरत है जो दुनिया भर में भगवद गीता के संदेश को फैला सकें। उनकी यात्रा, भोजन और वस्त्र का खर्च संस्था द्वारा उठाया जाएगा। स्वामी प्रभुपाद ने 1957 में इस संस्था की स्थापना करनी चाही, लेकिन उनके ही अनुयायियों तथा

कुछ राजनीतिक लोगों द्वारा प्रपंच रच कर उस जमीन को अपने नाम करवा लिया गया। इस वजह से यहां इस्कॉन की विधिवत स्थापना नहीं हुई।

1966 में हुई इस्कॉन की स्थापना

इसके बाद स्वामी प्रभुपाद वृंदावन चले गए, जहां वह 16 साल रहे। इसके बाद वह अमेरिका चले गए, जहां उन्होंने 1966 में विधिवत तौर पर इस्कॉन की स्थापना की। उन्होंने 13 जुलाई 1966 को अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर में इसकी स्थापना की। शुरुआत में उन्होंने उन अमेरिकी लोगों को इससे जुड़ा जिन्हें समाज से बहिष्कृत कर दिया गया था। ऐसे लोगों को हिप्पी कहा जाता था। इस्कॉन के माध्यम से इन लोगों को भगवत गीता का अर्थ समझाया और आज देश-विदेश में लाखों लोग इस्कॉन संस्था के अनुयायी हैं।



श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर सर्जी मनमोहक झांकियां

बेंगलुरु के राजाजीनगर स्थित इस्कॉन टेम्पल में सर्जी झांकी का लुत्फ लेते श्रद्धालु



झांकी श्रीकृष्ण जन्माष्टमी वृंदावन



झांकी श्रीकृष्ण जन्माष्टमी द्वारका



श्रीकृष्ण को भगवान विष्णु का 8वां अवतार माना जाता है। श्रीकृष्ण को उनके नट खट पन से कन्हैया, श्याम, गोपाल, केशव, द्वारकाधीश और वासुदेव आदि नामों से पुकारा जाता है। आज जन्माष्टमी पर श्रीकृष्ण की पूजा की जा रही है। उत्तराखंड में भी श्रीकृष्ण जन्माष्टमी 2023 धूमधाम से मनाया जा रहा है। केदारनाथ में श्रीकृष्ण की झांकी निकाली गई।



हिंदू धर्म में श्री कृष्ण भगवान हैं वह विष्णु के आठवें अवतार माने गए हैं उनके अनेक नाम कन्हैया श्याम गोपाल केशव द्वारकेश या द्वारकाधीश वासुदेव नंदन इत्यादि प्रचलित हैं इसके अलावा अन्य नाम पर ध्यान दें तो इनका क्षेत्रीय भाषाओं के अनुसार अलग-अलग नामकरण भी देखने को मिलता है। इनका जन्म द्वितीय युग में हुआ था। कृष्ण को उसे युग का सर्वश्रेष्ठ पुरुष युग-पुरुष युगावतार का स्थान प्रदान किया गया है।

श्री कृष्ण निष्काम कर्मयोगी आदर्श दार्शनिक स्थित

विष्णु के आठवें अवतार श्रीकृष्ण

प्रज्ञा एवं देवी संपदाओं से सुसज्जित महान पुरुष थे उनके अलग माता-पिता माने जाते हैं। बाल्यावस्था में ही भागवत और महाभारत में कृष्ण का चरित्र विस्तृत रूप से लिखा गया है। भगवद्गीता श्री कृष्ण और अर्जुन के संवादों का ग्रंथ है जो आज पूरे विश्व में प्रचलित है और लोकप्रिय है।

उन्होंने अपने जीवन के यशोदा और नंद में का पालन पोषण किया इसलिए कुछ समय बाद कंस द्वारा भेजी गई राक्षसी पूतना के वध के बाद शकटासुर, तृणावर्त सहित अनेक राक्षसी प्रवृत्ति के लोगों का वध किया। इसके बाद वह गोकुल गांव छोड़कर नंदगांव चले गए जहाँ पर उन्होंने अनेक प्रकार की लीलाएँ – गोचारण लीला, गोवर्धन लीला रासलीला इत्यादि की। इसके बाद उन्होंने कंस का वध किया। सौराष्ट्र में द्वारिका नगरी की स्थापना की और वहाँ अपना राज्य बसाया। श्री



कृष्ण ने पांडवों के अनेक प्रकार से मदद की साथ ही उन्होंने अनेक संकटों का निवारण कीजिए। महाभारत के युद्ध में उन्होंने अर्जुन के सारथी बनकर क्षेत्र में ही उन्हें उपदेश दिया और 124 वर्ष की उम्र में उन्होंने लीला समाप्त की।



फिल्म चंद्रमुखी 2 का ट्रेलर रिलीज

बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना राणावत की आगामी फिल्म चंद्रमुखी 2 का ट्रेलर रिलीज हो गया है। ट्रेलर में कंगना राणावत एक प्रभावी भूमिका में नजर आ रही हैं।



फिल्म फुकरे 3 का पोस्टर जारी

वरुण शर्मा पुलकित सन्नाट पंकज त्रिपाठी और रिचा चड्ढा स्टार स्क्रेटरी का पोस्टर 10 दिनों जारी किया गया।

आचार्य अकादमी ने किया संजय वर्मा "दृष्टि" को सम्मानित

आचार्य अकादमी चुलियाणा, रोहतक(हरियाणा)द्वारा आयोजित राष्ट्रीय साप्ताहिक कविता प्रतियोगिता प्रदत्त विषय फोटो पर कविताएँ(नशा) में संजय वर्मा "दृष्टि" मनावर जिला धार(मध्यप्रदेश) को उत्कृष्ट लेखन के लिए मंच ने उन्हें सराहनीय सम्मान से विभूषित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है। सम्मान पत्र अध्यक्ष आचार्य अकादमी चुलियाणा रोहतक (हरियाणा)–आचार्य शीलक राम,उपाध्यक्ष,आचार्य अकादमी चुलियाणा रोहतक (हरियाणा)–श्रीमती अरुणा,सचिव आचार्य अकादमी चुलियाणा रोहतक (हरियाणा) डॉ सुरेश कुमार द्वारा प्रदान किया गया।संजय वर्मा"दृष्टि" की देश विदेश की पत्र पत्रिकाओं में प्रकाशित होती है।अबतक राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 407सम्मानों से सम्मानित किया जा चुका है।इनका नाम वर्ल्ड बुक ऑफ रिकार्ड में तीन बार अलग-अलग विधा में दर्ज है।



विद्यार्थियों ने 'जी 20 शिखर सम्मेलन' से संबंधित अनेक कार्यक्रम प्रस्तुत किए

—हर्ष कुमार—

नई दिल्ली। 'जी 20 शिखर सम्मेलन' की तैयारी तेजी से चल रही है। इसको लेकर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने भारत में होने वाली जी 20 की बैठक को ऐतिहासिक बताया है। इसमें अधिकांश अंतर्राष्ट्रीय नेता भाग लेंगे। 'जी 20 शिखर सम्मेलन' में 40 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय नेताओं के शामिल होने का कार्यक्रम है और भारत विदेशी गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत करने के लिए तैयारी में जुटा हुआ है। दुनियाभर के कई नेता आगामी 9 और 10 सितंबर को नई दिल्ली में होने वाले जी 20 शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे, जिसमें जो बाइडेन, ऋषि सुनक और इमैनुएल मैक्रॉन शामिल हैं, जो 'जी 20 संगठन' के सदस्य हैं।

शिक्षा के क्षेत्र में सदैव सराहनीय व प्रशंसनीय कार्य करने वाले 'मॉडर्न इंटरनेशनल सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सेक्टर-19, द्वारका' के चेयरमैन, जाने-माने वरिष्ठ शिक्षाविद एवं

समाजसेवी श्री भोलानाथ निगम ने 'जी-20 शिखर सम्मेलन' के संबंध में अपनी बात रखते हुए कहा कि 'जी 20 शिखर सम्मेलन' की अध्यक्षता कर क्षता करने से भारत को जी 20 ग्रुप के सदस्य देशों के साथ व्यापार संबंधों को और भी मजबूत करने में मदद मिलेगी। भोला नाथ निगम ने कहा कि मैं अपनी ओर से और 'मॉडर्न इंटरनेशनल सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सेक्टर-19, द्वारका' की ओर से भारत के तेजस्वी व ओजस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी एवं भारत सरकार को बधाई और मंगल शुभकामनाएं देते हुए यही कहना चाहता हूँ कि आदरणीय श्री नरेंद्र मोदी जी के अथक प्रयासों से ही आज भारत देश का चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग चांद पर हो सकी है, जिसका श्रेय पीएम मोदी जी के मार्गदर्शन के साथ-साथ इसरो के



का प्रतिनिधित्व करने वाले 'जी 20 शिखर सम्मेलन' की अध्यक्षता भारत देश के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। इसकी अध्यक्षता करने से भारत को जी 20 ग्रुप के सदस्य देशों के साथ व्यापार संबंधों को और भी मजबूत करने में मदद मिलेगी। भोला नाथ निगम ने कहा कि मैं अपनी ओर से और 'मॉडर्न इंटरनेशनल सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सेक्टर-19, द्वारका' की ओर से भारत के तेजस्वी व ओजस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी एवं भारत सरकार को बधाई और मंगल शुभकामनाएं देते हुए यही कहना चाहता हूँ कि आदरणीय श्री नरेंद्र मोदी जी के अथक प्रयासों से ही आज भारत देश का चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग चांद पर हो सकी है, जिसका श्रेय पीएम मोदी जी के मार्गदर्शन के साथ-साथ इसरो के

प्रतिभाशाली वैज्ञानिकों को भी जाता है। श्री निगम ने कहा कि आज भारत देश तेजी से तरक्की करते हुए सूरज व चांद तक जा पहुंचा है, जो आज तक दुनिया का कोई भी देश यह नहीं कर सका है। आज भारत को विश्व गुरु बनने से कोई नहीं रोक सकता, क्योंकि सूरज-चांद तक पहुंचाने के बाद आज भारत देश 'जी 20 शिखर सम्मेलन' की अध्यक्षता भी कर रहा है।

उन्होंने कहा कि 'मॉडर्न इंटरनेशनल सी. से. स्कूल' के होनहार बच्चों ने 'जी 20 शिखर सम्मेलन' को देखते हुए जो स्कूल प्रांगण में शानदार प्रदर्शन किया, वह सच में काबिले तारीफ और सराहनीय रहा। उन्होंने कहा कि मैं अपने स्कूल के सभी बच्चों, टीचर्स व स्कूल स्टाफ की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए यही कहना चाहता हूँ कि जिन विद्यार्थियों ने 'जी-20 शिखर सम्मेलन' को देखते हुए इतने सुंदर कार्यक्रम प्रस्तुत किए, उसके लिए मैं उनके उज्ज्वल, मंगलमय व सुखद भविष्य की नेक कामना करता हूँ।

हे ! कृष्ण-कन्हैया

द्वापर के है! कृष्ण-कन्हैया,कलियुग को सरसाओ। कण-कण में रहते हो भगवन्,आज प्रकट हो जाओ।। अर्जुन आज हुआ एकाकी,नहीं सखा है कोई। राधा तो अब भटक रही है,प्रीति आज है खोई।। गायों की रक्षा करने को,नेह- सुधा बरसाओ। कण-कण में रहते हो भगवन्,आज प्रकट हो जाओ। इतराते अनगिन दुर्घोधन,पांडव पीड़ाओं में। आओ अब संतों की खातिर,फिर से लीलाओं में।। भटके मनुजों को अब तो तुम,गीतापाठ सुनाओ। कण-कण में रहते हो भगवन्,आज प्रकट हो जाओ। माखन,दूध-दही का टोटा,कंसों की मस्ती है। सच्चों को केवल दुख हासिल,झूठों की बस्ती है।। गोवर्धन को आज उठाकर,वन-रक्षण कर जाओ। कण-कण में रहते हो भगवन्,आज प्रकट हो जाओ। अभिमन्यु जाने कितने हैं,घिरे चक्रव्यूहों में। भटक रहा है अब तो मानव,जीवन की राहों में।। कपट मिटाने हे ! नटनागर,तुम पांचजन्य बजाओ। कण-कण में रहते हो भगवन्,आज प्रकट हो जाओ। आशाएँ सब ध्वस्त हो रही,मातम के हैं मेले। कहने को भीड़ हकीकत में,सब आज अकेले।। तन-मन दोनों लगे महकने,बंशी मधुर बजाओ। कण-कण में रहते हो भगवन्,आज प्रकट हो जाओ।

प्रो(डॉ)शरद नारायण खरे

विद्यार्थियों ने जन्माष्टमी पर धरा बाल गोप-गोपिकाओं का रूप



नलागढ़ (हिप्र)। सीएससी बाल विद्यालय नालागढ़ हिमाचल प्रदेश में 6 सितंबर को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी को बहुत धूमधाम से मनाया गया। बाल विद्यालय के विद्यार्थी श्री कृष्ण और श्री राधा की वेशभूषा में आए विद्यार्थियों में उत्साह देखते ही बनता था। बच्चों ने श्री कृष्ण के भजनों पर मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया उन्हें देखते ही उनकी मासूमियत ने विद्यालय परिसर में उपस्थित सभी अभिभावकों का मन मोह लिया। बाल विद्यालय के विद्यार्थी ऐनी, रितिक, अन्वेशा, वंशिका, जर्शन, आंचल, कुणाल, मन्मत, दिव्यांश की वेशभूषा ने सभी का मन मोह लिया इस अवसर पर मुख्य अतिथि विवेक शर्मा जी ने विद्यालय परिसर में कृष्ण जी के लिए लगाए गए झूलों पर सभी बच्चों को झूला झुलाया और बच्चों को प्रसाद, चाँकलेट और कैंडी का वितरण किया। इस अवसर पर सी एस सी बाल विद्यालय की प्रिंसिपल प्रीति शर्मा "असीम" ने अभिभावकों और बच्चों को जन्माष्टमी की हार्दिक शुभकामनाएं दी और बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें योगीराज श्री कृष्ण के उपदेशों पर चलने और समाज को प्रगतिशील सोच अपनाने का आग्रह किया।



प्रिय पाठकों,

इस अंक में प्रकाशित सभी अग्रलेख, कथा-लघु कथा, कविता, व्यंग्य, विचार विमर्श लेखकों एवं विचारकों की अपनी कल्पना प्रस्तुत हैं। त्रुटियाँ मानवीय स्वभाव का अंग हैं जिनकी ओर ध्यान आकृष्ट करना एक जागरूक पाठक की विशेषता होती है।

अतः आप सभी सुधी विज्ञजनों, से ऐसी अपेक्षा की जाती है कि आप अपने पत्रों के माध्यम से इस अंक में प्रकाशित त्रुटियों की ओर ध्यान आकृष्ट भी समय-समय पर कराते रहें ताकि उन त्रुटियों की पुनरावृत्ति से बचा जा सके।

विवाद की स्थिति में न्यायालय, गोर खपुर का निर्णय अंतिम व मान्य होगा।

—व्यवस्थापक

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक पंकजधर द्विवेदी द्वारा जनप्रकाशन प्रेस, निकट रीड्स साहब का धर्मशाला से मुद्रित एवं 45 बादशाहबाग, जगन्नाथपुर, गोरखपुर से प्रकाशित। सम्पादक—पंकज धर द्विवेदी सम्पर्क सूत्र— e-mail- ghoonghatkibagawat37@gmail.com